छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

www.cgfrontline.com

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 103 बैकुंठपुर, रविवार 18 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

अग्रवाल महासभा के सम्मेलन में प्री-वेडिंग शूट और खर्चीले मृत्यु भोज पर होगी विशेष चर्चा

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर केन्द्रित प्रांतीय सम्मेलन आज माखन विहार में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के द्वारा छ.ग. प्रदेश इकाई के प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन रविवार 18 जनवरी को किया जा रहा है। सम्मेलन समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने पर आधारित होगा। सम्मेलन में प्रदेश भर से समाज के वरिष्ठ सदस्यों के साथ लगभग 200 की संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के अलावा समाज के लोग उपस्थित रहेंगे और सामाजिक बुराईयों को दूर करने अपने-अपने विचारों को साझा करेंगे।

माखन विहार में पत्रकारों से चर्चा करते हुए अग्रवाल समाज के मुख्य संरक्षक चरण सिंह अग्रवाल ने बताया कि रायपुर व बिलासपुर के बाद अंबिकापुर में तीसरी बार समाज का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश कैबिनेट मंत्री व अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि अजय अग्रवाल होंगे। सम्मेलन में प्रदेश भर से समाज के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में वर्तमान में चल रहे प्री-वेडिंग शूट तथा खर्चीले मृत्यु भोज पर चर्चा करके इसे समाज से बाहर करने संबंधित आवश्यक निर्णय लिया जाएगा, ताकि समाज के लोग इसे अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि अग्रवाल देश की तरक्की, देशहित के लिए पहले सोचता है, बाद में अपनी आजीविका के बारे में सोचता है। अग्रवाल अगर किसी गांव में बस जाए तो पहले वह देखता है कि यहां प्राथमिक शिक्षा लेने की व्यवस्था है या नहीं, लोगों की जीवनशैली क्या है। सामाजिक उन्नति के यहां क्या किया जा सकता है। उन्होंने बताया अग्र वंश के उत्पत्ति स्थल अग्रोहा धाम में अगर कोई बसने की सोच बनाता तो उसे बिना किसी भेदभाव के एक रुपया और एक ईंट अग्र समाज के लोग देते थे, ताकि एक रुपये से वह अपना व्यापार करे और ईंट से घर बनाए। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त किया कि बैठक में प्रदेशभर से आने वाले समाज के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा और जिस उद्देश्य को लेकर प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है वह सार्थक होगा।

दहेज कुप्रथा का हो रहा अंत

प्रदेश उपमहामंत्री अरविन्द सिंघानिया ने बताया कि समाज में खर्चीली शादियों पर रोक लगाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से समाज के युवा तथा महिला वर्ग को भी जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा क्योंकि जब तक वे जागरूक नहीं होंगे तब तक हमें इसका लाभ देखने को नहीं मिलेगा। इसके पहले हुई बैठकों में दहेज प्रथा को बड़ी कुरीति मानते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया था। समाज से धीरे-धीरे इस कुप्रथा का अंत हो रहा है। समाज के लोग विदेशों में भी हैं, सभी देश और समाजहित की सोच लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

पढ़ाई के साथ संस्कार जरूरी

समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने बताया कि आज के समय में बहन-बेटियों को पढ़ा-लिखा लेने के बाद भी कहीं न कहीं संस्कार की कमी रह जा रही है। सम्मेलन में इस विषय पर जोर दिया जाएगा कि अपने बहन-बेटियों को उच्च शिक्षित करने के साथ उन्हें मर्यादा व संस्कार की भी सीख दी जाए, जिससे वे विवाह के बाद जिस घर में जाएं वहां सुखमय जीवन व्यतीत कर सकें। बैठक में सभी बड़े-बुजुर्गों के विचारों को महत्व दिया जाएगा और उनके सलाह पर ही किसी प्रकार की अग्रिम पहल की जाएगी।

सामाजिक समरसता को मिलेगा बढ़ावा

अरविंद अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल व विकास अग्रवाल ने बताया कि पहले भी बैठकों में कई प्रकार के निर्णय लिए गए हैं और इसे अमल में लाया गया है। यह सम्मेलन सामाजिक परिवेश में बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। सामाजिक कुरीतियों व पाश्चात्य सभ्यता से दूरी बनाने, नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करने के लिए इस तरह के सम्मेलन समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, साथ ही सामाजिक समरसता और एकजुटता को बढ़ावा देने की कोशिश बैठकों के माध्यम से रहती है।

पुरानी परम्पराओं को जीवंत रखना जरूरी

अग्रवाल समाज के जिलाध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने बताया समाज में शादी मिलन की परिपाटी है, जिसमें पहले घर के बड़े-बुजुर्ग शामिल रहते थे। वर्तमान में ईष्ट मित्रों को भी समाज के लोग इसमें शामिल करने लगे हैं। पुरानी परम्पराओं को जीवंत रखने और समाज के बच्चों में पढ़ाई के साथ घरेलू संस्कार भी हो, इस पर पूरी दमदारी के साथ अपनी बातों को रखा जाएगा, ताकि विवाह के बाद किसी के साथ संबंध विच्छेद जैसी स्थिति न बनने पाए।

108 करोड़ की लागत से मंदिर निर्माण

समाज के मुख्य संरक्षक चरण सिंह अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा के हिसार जिला में स्थित अग्रोहा धाम, अग्रवाल बंधुओं का धर्म-कर्म स्थल है। यहां कुलदेवी मां महालक्ष्मी का 108 फिट लम्बा, चैड़ा और ऊंचा भव्य मंदिर का निर्माण 108 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ भूमि में किया जा रहा है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां मां महालक्ष्मी की स्वर्ण मूर्ति स्थापित की जाएगी। अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर निर्माण कराने वाले आर्किटेक्ट को ही मंदिर के ड्राइंग, डिजाइन की जिम्मेदारी दी गई है।

नशा क्राइम का पहला चरण, कारोबारियों पर हो कड़ी कार्रवाई-कलेक्टर

जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा नारको को-ऑर्डिनेशन की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के साथ जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा नारको को-ऑर्डिनेशन के संबंध में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, अपर कलेक्टर सुनील नायक सहित पुलिस, राजस्व, वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, परिवहन, नगर पालिका और आबकारी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में नशे के कारोबार पर रोक लगाने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों द्वारा प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने निर्देशित किया।

नशे के कारोबार पर हो सख्त निगरानी

कलेक्टर ने कहा कि नशे का कारोबार चिंता का विषय है, नशा क्राइम का पहला चरण है। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना का मूल नशे से संबंधित होता है, इसे रोकने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों पर अवैध शराब, गांजा, अफीम, सिरप, सिरिंज, इंजेक्शन या अन्य नशीली दवाओं के व्यापार का संदेह हो, उनके संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र करके तत्काल उपलब्ध कराएं। संदेहास्पद गतिविधियों पर निगरानी रखें। सूचना प्राप्त होते ही त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई करें।

मेडिकल दुकानों में लगे हों सीसीटीवी कैमरे

कलेक्टर ने खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी को सभी मेडिकल दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा डॉक्टरों के परामर्श पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेज परिसर के 100 गज के भीतर तम्बाकू से संबंधित अन्य उत्पादों का विक्रय करने वाले दुकानों को समझाइश दें, नोटिस के बाद भी दुकान नहीं हटाने पर आवश्यक कार्रवाई कर दुकानों को हटवाएं।

वन विभाग गांजा की खेती पर रखे नजर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने वन विभाग को अंदरूनी क्षेत्रों में गांजे की खेती पर निगरानी रखते हुए तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना देने कहा। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों एवं पड़ोसी जिलों से आने वाले वाहनों की सतत जांच करें। उन्होंने कहा कि हमें नशे के कारोबार को रोकने में गम्भीरता से कार्य करना होगा। बैठक में समाज कल्याण विभाग को नशामुक्ति से संबंधित जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने कहा गया।

पूर्व तैयारी जरूरी, समन्वय बनाकर काम करें

कलेक्टर अजीत वसंत ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों से अनुभागवार चर्चा कर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम, एसडीओपी व थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोलिंग कर सघन मॉनिटरिंग करने और किसी प्रकार की समस्या संज्ञान में आने पर तत्काल पुलिस अधिकारी एवं कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराने कहा। उन्होंने कहा विपरीत परिस्थिति में पूर्व तैयारी जरूरी है, कार्ययोजना बनाकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। नियमित समाज प्रमुखों से बात करके सामाजिक समस्याओं पर चर्चा करें। जनप्रतिनिधियों के साथ अधिकारियों का अच्छा व्यवहार रहे। गांव में कोटवारों एवं पटेलों को सक्रिय करके स्थानीय स्तर की समस्याओं के बारे में जानें।

अवांछित गतिविधियों पर विशेष निगरानी जरूरी

कलेक्टर ने असामाजिक तत्वों और अवांछित गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सूचना तंत्र मजबूत करने निर्देशित किया, ताकि किसी भी घटना की पूर्व सूचना मिल सके। इस दौरान धर्मांतरण, माइनिंग, अधिग्रहण, अवैध पट्टे से संबंधित मुद्दों पर विस्तारपूर्वक जानकारी ली गई और कहा कि ऐसे मुद्दों पर हमें संवेदनशीलता से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने अधिकारों तथा दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें, ताकि जिले में शांति और कानून व्यवस्था प्रभावी रूप से बनी रहे।

अनवरत समस्याओं पर हो विशेष फोकस-एसपी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने कहा कि अनुविभाग एवं थाना स्तर पर राजस्व और पुलिस अधिकारियों को नियमित संवाद बनाए रखने की जरूरत है। अनवरत समस्याओं पर विशेष फोकस करें। सूचनाओं का आपसी आदान-प्रदान कर समय रहते प्रभावी कार्रवाई किया जाए, ताकि आमजनों से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सके। उन्होंने अधिकारियों को फिल्ड में सक्रिय रहकर लोगों से संवाद बनाने के लिए कहा।

साइबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल खाताधारक गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना गांधीनगर पुलिस ने म्यूल अकाउंट के जरिए धोखाधड़ी में शामिल एक खाताधारक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खाते में साइबर ठगी से जुड़े 2 लाख 6 हजार 786 रुपये प्राप्त होना पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूची के आधार पर फर्जी मोबाइल नंबर जारी करने वाले प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) और म्यूल अकाउंट खाता धारकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त हुए थे। इसी क्रम में दस्तावेजों के अवलोकन दौरान एक म्यूल अकाउंट सामने आया, जिसमें लिंक मोबाइल नंबर का धारक अमरेन्द्र सिंह पाया गया। आरोपी गुरुनानक वार्ड, महाराजा गली, अंबिकापुर का निवासी है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने षड्यंत्रपूर्वक अपने सिम और बैंक खाते का उपयोग कर चोरी व छल से संबंधित 2,06,786 रुपये प्राप्त करने और उसे अन्य खातों में ट्रांसफर कराने में किया था। इस पर थाना गांधीनगर में धारा 317(4), 318(4) बीएनएस एवं 66-डी आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी अमरेन्द्र सिंह को तलब कर पूछताछ की, तो वह अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसके भाई की बिरयानी दुकान पर आने वाले एक युवक ने खाते में रकम नहीं आने की बात कहकर उसके खाते में 2 लाख 6 हजार 786 रुपये डलवाया था, जिसे बाद में अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

दीवाल गिरने से दादा-पोती मलबे में दबे, दादा की उपचार दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम मानपुर में जर्जर दीवार गिरने से दादा और पोती मलबे में दब गए। दोनों को गंभीर चोटें आई थी, इलाज के दौरान निजी अस्पताल में वृद्ध की मौत हो गई।

जगरनाथपुर कोयला खदान में लेबर का काम करने वाले मृतक के पोता प्रसोत्तम सिंह ने पुलिस को बताया कि उसके दादा झरी आयाम 65 वर्ष, 16 जनवरी की शाम को करीब 4.30 बजे अपने नए घर से लगे पुराने घर में पोती धनेशरी का सहारा लेकर आ रहे थे। इस दौरान नए घर का कच्चा मिट्टी का बाहर की तरफ झुका हुआ दीवाल अचानक भरभराकर गिर गया, इसके चपेट में दोनों आ गए। घटना में झरी आयाम कमर से नीचे मिट्टी में दब गया था, उनके सिर में चोट आई थी। धनेशरी भी मिट्टी में कमर से पैर तक नीचे तक दब गई थी, लेकिन उसको कम चोट लगा था। दोनों को ग्रामीणों की मदद से किसी तरह मिट्टी से बाहर निकाला गया। मिट्टी में दबने से झरी आयाम का दाहिना पैर घुटना के पास टूट गया था और सिर में चोट लगा था, जिससे खून निकल रहा था। वृद्ध को होली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर स्वजन पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 16 जनवरी को रात करीब 8 बजे चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में प्रदर्शनी का विषय विशेषज्ञों ने किया अवलोकन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में 16 जनवरी, शुक्रवार को बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों द्वारा टीएलएम मॉडल प्रदर्शनी को आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह सिंह के मार्गदर्शन व सहायक प्राध्यापक सुमन पांडे, डॉ. पूजा दुबे, डॉ. रानी पांडे, चंदा सिंह और श्वेता तिवारी के निर्देशन और निरीक्षण इसका आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के निर्णायक टीम में के.सी. गुप्ता प्राचार्य डाइट कॉलेज, डॉक्टर फादर कल्याणुस मिंज प्रिंसिपल सेंट जेवियर महाविद्यालय, ओमकार नाथ तिवारी लेक्चरर डाइट, विनय सिन्हा सेवानिवृत्त शिक्षक शामिल रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश स्तुति व मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर आरंभ की गई। टी.एल.एम. प्रदर्शनी का आयोजन शिक्षण शास्त्र विषय के अनुसार रखा गया, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान और जैविक विज्ञान के शत-प्रतिशत प्रशिक्षार्थियों ने अपने मॉडल की प्रस्तुति दी। सभी विषय विशेषज्ञ एवं महाविद्यालय के प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक द्वारा मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन एवं निरीक्षण किया गया। भावी शिक्षकों के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं देते हुए मॉडल संबंधी प्रश्नोत्तर करके इसे व्यवहारिक ज्ञान में लाने का सुझाव दिया गया। इनके मेहनत, लगन और काम की प्रशंसा करते हुए समसामयिक घटनाओं को ध्यान में रखकर उसके अनुरूप नए-नए विचारों के साथ मॉडल की प्रस्तुति देने कहा। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी विषय विशेषज्ञों को महाविद्यालय परिवार की ओर से मार्गदर्शन प्रदान किया।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। क्रिकेट खेलकर वापस घर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन का चालक ठोकर मारकर भाग गया। घायल युवक की मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाते वक्त मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के सनावल थाना अंतर्गत ग्राम कामेश्वरनगर निवासी विनोद कुमार पिता रामबचन सिंह 25 वर्ष, 16 जनवरी को मोटरसायकल से ग्राम डिण्डो में क्रिकेट मैच खेलने के लिए घर से गया था। वापस आते समय सनावल थाना क्षेत्र के ग्राम सुन्दरपुर मुख्य मार्ग में अज्ञात वाहन का चालक उसे ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। इसकी सूचना अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल फोन पर स्वजन को दी, इसके बाद वे सनावल के शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचे। यहां विनोद बेहोशी की हालत में पड़ा था। चिकित्सक ने प्राथमिक चिकित्सा के बाद उसे रेफर कर दिया था। वाड्रफनगर स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद चिकित्सक ने घायल युवक को हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी थी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाते वक्त 17 जनवरी को युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सहायक शिक्षकों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर दिया धरना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के कलेक्टोरेट ब्रांच स्टेट बैंक के पास सहायक शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक, समग्र शिक्षक फेडरेशन के बैनर तले चार सूत्रीय मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करके हल्ला बोला। फेडरेशन के संदीप कुमार पाण्डेय, सरोज शुक्ला ने कहा कि क्रमोन्नत वेतनमान प्रदान करने और वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर करने की दिशा में आज पर्यन्त पहल नहीं हो पाई है। साथ ही प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करते हुए एल.बी. संवर्ग के सभी शिक्षकों को शासकीय लाभ देने की मांग की गई है। शिक्षकों ने टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए राज्य सरकार से आवश्यक पहल करने की मांग की है। वहीं स्वयं के मोबाइल फोन से ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली को लेकर शिक्षकों ने कहा कि इसकी अनिवार्यता समाप्त की जानी चाहिए, ताकि शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। धरना-प्रदर्शन के बाद शिक्षक रैली निकालकर कलेक्टोरेट पहुंचे और जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और प्रमुख सचिव के नाम मांग पत्र सौंपा। सहायक शिक्षकों ने शासन से उनकी मांगों के प्रति सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए जल्द से जल्द पूर्ण करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले बजट सत्र में बड़ा आंदोलन करने के लिए वे बाध्य होंगे।

विकासखण्ड स्तरीय पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अंबिकापुर के आदेशानुसार विकासखण्ड स्तर पर कक्षा छठवीं के पाठ्यपुस्तक में बदलाव होने के कारण सभी 06 विषयों का 05 दिवसीय प्रशिक्षण अंतिम चरण में सामाजिक विज्ञान विषय पर आधारित प्रशिक्षण के साथ शुक्रवार को संपन्न हुआ। विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र में आयोजित प्रशिक्षण में माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापन कराने वाले सामाजिक विज्ञान विषय के शिक्षक शामिल हुए। मास्टर ट्रेनर अनिल कुशवाहा, आनन्द सिंह, गुलाब देवांगन के द्वारा सामाजिक विज्ञान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित नवीन पाठ्यपुस्तक की संपूर्ण अवधारणा से अवगत कराया। इस मौके पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी फूलसाय मरावी, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद दुबे, बी.आर.पी. विनोद यादव भी उपस्थित रहे।

'मोर मकान मोर आस' आवासों के आबंटन हेतु 02 फरवरी तक आवेदन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आयुक्त नगर पालिक निगम कार्यालय अंबिकापुर द्वारा "मोर मकान मोर आस" योजना अन्तर्गत सुभाष नगर अंबिकापुर में निर्मित आवास आबंटन हेतु विज्ञापन सूचना जारी किया गया है। शासन के निर्देशानुसार आवासों के आबंटन हेतु प्रति आवास दरों का निर्धारण करते हुए आवास आबंटन हेतु इच्छुक आवेदक आवेदन पत्र आयुक्त नगर पालिक निगम कार्यालय अंबिकापुर में जमा कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 02 फरवरी को सायं 05.30 बजे तक है। पात्र-अपात्र आवेदकों की सूची का प्रकाशन कार्यालय के सूचना पटल पर 16 फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे तक किया जाएगा। दावा आपत्ति की अंतिम तिथि 19 फरवरी सायं 05 बजे तक, दावा आपत्ति का निराकरण 24 फरवरी को सायं 05 बजे तक, अंतिम सूची का प्रकाशन 26 फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे से एवं लॉटरी के माध्यम से आवासों का आबंटन 09 मार्च को 11 बजे से किया जाएगा। पात्रता शर्तों सहित विस्तृत जानकारी हेतु आयुक्त नगर पालिक निगम कार्यालय अंबिकापुर के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।

नवा बिहान की टीम ने जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा की टीम ने घड़ी चौक में ठंड के मौसम को देखते हुए घूम-घूम कर जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया। नवा विहान के संयोजक मंगल पाण्डेय के नेतृत्व में कम्बल वितरण कार्यक्रम में उप निरीक्षक अभय कुमार तिवारी यातायात पुलिस, काउन्सलर सुनिधि शुक्ला अध्यक्ष शियती सोशल वेलफेयर सोसायटी, नवा बिहान काउन्सलर संतोष कुमार विश्वकर्मा एवं नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंबिकापुर से पुष्यमित्र मल्तियार सहभागी रहे। नवा बिहान की टीम ने शहर के अस्पतालों, चौक-चौराहों एवं मंदिरों के पास जरूरतमंदों को देखते हुए कम्बल वितरण कर उनको ठंड से राहत दिलाने का प्रयास किया। नवा बिहान सदस्य पुष्यमित्र मलतियार के द्वारा चालीस कम्बल का सहयोग किया गया था।

जनसंपर्क विभाग द्वारा कला जत्था एवं

छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से दी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जन-जन तक योजनाओं का संदेश देती प्रदर्शनी में सुशासन और जनकल्याण का संकल्प

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। तातापानी तीन दिवसीय महोत्सव के अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित भव्य छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। साथ ही कला-जत्था के माध्यम से भी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को शासन की योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों से रूबरू कराया जा रहा है।

छायाचित्र प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री की मोदी की गारंटी के अंतर्गत संचालित महतारी वंदन योजना, दीनदयाल भूमि कृषि मजदूर योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, आधे दाम पर बिजली, डिजिटल भारत की ओर, साइंस सिटी, नल-जल योजना तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से संबंधित योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में महतारी वंदन योजना विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसके अंतर्गत महिलाओं को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को मजबूती मिल रही है, जिससे महिलाएं अपने जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं ले सकें और परिवार व समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को तेंदूपत्ता संग्रहण पर 5500 रुपये प्रतिमानक बोरा दर एवं 4500 रुपये तक का बोनस प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। छायाचित्रों के माध्यम से सुशासन दिवस पर किसानों को दो वर्षों के बकाया धान बोनस राशि के भुगतान को भी दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने की गारंटी को भी प्रदर्शनी में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है, जिससे लोगों को आवासीय सुरक्षा का भरोसा मिल रहा है।

जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई यह छायाचित्र प्रदर्शनी शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में एक सशक्त माध्यम साबित हो रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आए आगंतुकों ने प्रदर्शनी के माध्यम से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और इनका लाभ लेने के प्रति रुचि दिखाई। प्रदर्शनी को आमजन द्वारा सराहा जा रहा है और इससे जनजागरूकता को नई दिशा मिल रही है। इस दौरान आमजनों को विभिन्न पत्रिका, ब्रोसर, पम्पलेट, जनमन पत्रिका का वितरण किया गया।

करंजी में शिक्षा पर बिजली का संकट, 10 दिनों से खराब ट्रांसफॉर्मर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत करंजी में इन दिनों हालात ऐसे बन गए हैं कि बच्चों की पढ़ाई अंधेरे के भरोसे चल रही है। गांव में स्थित प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास एवं हाईस्कूल परिसर के पास लगा विद्युत ट्रांसफॉर्मर पिछले करीब दस दिनों से खराब पड़ा है, जिसके चलते पूरे परिसर की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है।बिजली बंद होने से छात्रावास में रहने वाले दर्जनों बच्चों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रात होते ही पूरा परिसर अंधेरे में डूब जाता है। मोबाइल के जरिए पढ़ाई करने वाले छात्र पूरी तरह असहाय हो चुके हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि आगामी दिनों में स्कूल की वार्षिक परीक्षाएं होनी हैं, लेकिन बिजली गुल रहने से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। छात्र ढिबरी युग में पढ़ने को मजबूर हैं, जिससे न केवल उनकी आंखों पर असर पड़ रहा है, बल्कि मानसिक तनाव भी बढ़ता जा रहा है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि शिक्षा से जुड़े संस्थानों के पास लगा ट्रांसफॉर्मर इतने दिनों तक खराब रहना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात करती है, तो फिर बच्चों को अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है।ग्राम पंचायत करंजी के सरपंच ने मुख्य अभियंता विद्युत विभाग सुरजपुर को लिखित पत्र सौंपकर खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर को तत्काल बदलने की मांग की है।

सेजेस जयनगर का छात्र अखिल राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में अध्ययनरत कक्षा 7 वीं के छात्र अखिल राजवाड़े का राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। ज्ञात हो कि अखिल राजवाड़े का राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए चयन हुआ है। यह कोचिंग कैंप 14 जून से 16 जून तक आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात 69 वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता अंडर-14 का आयोजन 19 जून से 24 जून तक सिकर राजस्थान में किया जाएगा, जिसमें अखिल भाग लेंगे।

अखिल की इस उपलब्धि पर पीएम श्री सेजेस जयनगर के प्राचार्या श्रीमती पुष्पा ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अखिल राजवाड़े के पिता अनुज राजवाड़े एवं माता श्रीमती नीलम राजवाड़े दोनों पेशे से शिक्षक हैं। उनके चयन से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है।

निधन : हरबंश सिंह होरा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के वार्ड क्रमांक 2 निवासी हरबंश सिंह होरा उर्फ बंशी का निधन हो गया। वे 56 वर्ष के थे। जो पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे, इनका उपचार महाराष्ट्र के नागपुर में एक निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां गत दिनों उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार नागपुर में ही किया गया, जिन्हें मुखाग्नि पुत्र हर्षदीप होरा ने दी। वे अपने पीछे भरापुरा परिवार शोकाकुल छोड़ गए हैं।

बंद खदानों को शुरू कराने एचएमएस का भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बलरामपुर और कुमदा खदानों को शुरू कराने की मांग को लेकर जारी एचएमएस संगठन का क्रमिक भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रहा। शनिवार दूसरे दिवस यहां क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सामने चल रहे क्रमिक भूख हड़ताल पर शिवाकांत मिश्रा, उमेश सिंह, कैलाश प्रसाद, राजू दुबे, राजमणि पटेल बैठे रहे।

यहां पर आज क्रमिक भूख हड़ताल को समर्थन देने हेतु एटक के क्षेत्रीय अध्यक्ष हीरालाल व सचिव पंकज गर्ग भी पहुंचे थे। क्रमिक भूख हड़ताल के दौरान एचएमएस के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामाशीष पाल, महामंत्री देवेंद्र मिश्रा, नरेंद्र सिंह चौहान, परमजीत सिंह, लखन कुर्रे, प्रेमचंद्र सिंह, अरविंद सिंह, सूर्यबली, सुदर्शन, विवेक यादव, विजय कुमार, रमेंद्र सिंह व अन्य सक्रिय हैं।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 20 जनवरी को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि श्रीराम टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा 300 पद हेतु रिक्तियां प्राप्त हुई है। जिसकी पूर्ति के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में 20 जनवरी 2026 को प्रात: 11:00 बजे से किया जाना है। साथ ही उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी बलरामपुर में जिले के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदाय कर नियोजित किये जाने हेतु महिन्द्रा ट्रेक्टर सर्विस मैकेनिक कोर्स में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदाय कर महिन्द्रा कंपनी का प्रोडक्शन प्लांट नागपुर या छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा कंपनी/संस्था/फर्म में नियोजित/रोजगार प्रदाय किया जायेगा। ट्रेक्टर सर्विस मैकेनिक हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10 वीं उतीर्ण अनिवार्य है। ट्रेक्टर मैकेनिक कोर्स हेतु आवेदन रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित प्लेसमेंट कैम्प जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में 20 जनवरी 2026 को प्रात: 11 बजे से कर सकते हैं एवं विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार रोजगार मेला/ प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन वर्तमान में अनिवार्यत: ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाईन मेला/प्लेसमेंट कैम्प क्रिएट कर किया जा रहा है, इसमें अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए आधार अपडेटेड जीवित रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन आवेदकों का वर्तमान में जीवित रोजगार पंजीयन नहीं हुआ है, वो ऑनलाईन रोजगार मेला/ प्लेसमेंट कैम्प में आवेदन हेतु erojgar.cg.gov.in या ई-रोजगार एप के माध्यम से पहले रोजगार पंजीयन करना सुनिश्चित करें, तत्पश्चात मेला/ प्लेसमेंट कैम्प हेतु उपलब्ध कराये गए लिंक में जाकर, रोजगार पंजीयन के आधार पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर दूरभाष नंबर 9685672368 पर संपर्क किया जा सकता है।

गणेशपुर में जिला स्तरीय पशु मेला एवं पशु प्रदर्शनी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पशुधन विकास विभाग सूरजपुर द्वारा ग्राम पंचायत गणेशपुर में पशु मेला, पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता तथा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मेला में विभिन्न प्रकार के पशुओं जैसे गौवंशीय में हॉलीस्टीयन फ्रीजियन, जर्सी, साहीवाल, गिर आदि नस्ल तथा भैंसवंशीय में मुर्रा नस्ल का भैंसा, तथा बकरा बकरी वर्ग में सिरोही एवं जमुनापारी नस्ल तथा भेड़ एवं खरगोश व मुर्गी मुर्गा पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में भाग लिए। पशु प्रतियोगिता में पशुपालक राजेंद्र गुप्ता कमलपुर द्वारा लाए गए गिर नस्ल का सांड लोगों में आकर्षण का केंद्र रहा, जो सांड प्रतियोगिता में प्रथम रहा। पशु मेला में सिरोही नस्ल का बकरा भूपेंद्र गोपालपुर द्वारा लाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा, जिसका वजन लगभग 45 से 50 किलोग्राम का था, जो कि बकरी वंशिय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेला में द्वारिकनगर के पशुपालक अवधलाल द्वारा भेंड़ लाया गया एवं कड़कनाथ नस्ल का मुर्गा मुर्गी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। यहां पर पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान द्वारा उन्नत नस्ल संवर्धन एवं सेक्स शॉर्टेड सीमेन के लाभ के बारे में बताया गया, जिसमें 90 प्रतिशत बछिया होने की संभावना होती है तथा विभागीय योजनाओं के बारे में बताया गया। चारा प्रसंस्करण से संबंधित पैरा यूरिया उपचार का प्रदर्शनी कर बताया गया, जिसमें यूरिया उपचार करने से पैरा की पौष्टिकता बढ़ती है व पैरा नरम स्वादिष्ट सुपाच्य और प्रोटीन से भरपूर बन जाता है। साथ ही अजोला के बारे में भी बताया गया कि अजोला आसानी से पशुओं द्वारा पचाया जा सकता है एवं अत्यंत पौष्टिक व असरकारक पशुआहार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। ग्रीष्म ऋतु में हरे चारा की उपलब्धता के लिए साईलेज के बारे में बताया गया की साईलेज में 80 से 90 प्रतिशत तक हरे चारे के बराबर पोषक तत्व संरक्षित रहते हैं, जो कि हरे चारे के अभाव में साईलेज खिलाकर पशुओं का दुग्ध उत्पादन आसानी से बढ़ाया जा सकता है।

पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण हेतु समय-समय पर लगने वाले टीकाकरण तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में जानकारी विषय विशेषज्ञों एवं विभागीय पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा विस्तार पूर्वक बताया गया। मेला में पशुपालकों को तकनीकी रूप से पशुपालन द्वारा स्वावलंबी बनने, शीत ऋतु में पशुओं के उचित प्रबंधन के बारे में बताया गया। करवां निवासी ललन राजवाड़े कामधेनु कल्पतरु गौशाला करवां के संचालक द्वारा पंचगव्य के लाभ व बनाने की विधियों के बारे में किसान एवं पशुपालकों को विस्तार पूर्वक बताया गया।

मेला में पशु स्वास्थ्य परीक्षण एवं पशुओं हेतु औषधि वितरण का भी कार्य किया गया। वेटनरी पॉलिटेक्निक कॉलेज सूरजपुर के विद्यार्थियों द्वारा मेला में विभिन्न प्रकार के पशुधन के नस्लों का अवलोकन किया व विभिन्न विभागीय जानकारियों से अवगत हुए। आयोजित विभिन्न वर्गों के पशु प्रदर्शनी में विभाग के विशेषज्ञों द्वारा जजिंग किया गया तथा पशुपालकों को विभिन्न वर्गों में श्रेणीवार प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। मेले की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा मेला में विभिन्न स्टालों का निरीक्षण कर मेला में आए विभिन्न प्रवर्गो के पशुधन का अवलोकन किया गया। साथ ही मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा मेला में आए पशुपालकों को पशुधन के महत्व के बारे में बताया गया। मेले में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि देवपाल सिंह पैकरा, जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति संत सिंह, उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, यशवंत सिंह सभापति कृषि स्थाई समिति सूरजपुर, श्रीमती स्वाति राजवाड़े जनपद सदस्य, रामसुंदर सिंह सरपंच ग्राम पंचायत गणेशपुर एवं प्राचार्य वेटेरिनरी पॉलीटेक्निक कॉलेज सूरजपुर डॉ ओपी पैकरा एवं पशुधन विकास विभाग जिला सूरजपुर के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

प्रार्थना सभा की आड़ में मतांतरण का आरोप, पास्टर गिरफ्तार

बिलासपुर, छ.ग. फ्रटंलाइन। जिले में एक बार फिर कथित धर्मांतरण का मामला सामने आया है। मल्हार चौकी क्षेत्र के दबावपारा इलाके में प्रार्थना सभा के नाम पर ग्रामीणों को प्रलोभन देकर मतांतरण कराए जाने का आरोप लगा है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और एक पास्टर को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दबावपारा क्षेत्र में आयोजित प्रार्थना सभा में करीब 30 से 35 महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। आरोप है कि ग्रामीण हिंदुओं को भोजन और इलाज जैसी सुविधाओं का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। मामले की सूचना मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मल्हार चौकी पहुंचे और घटना की शिकायत दर्ज कराई।

कुम्हारी थाना क्षेत्र में मिला अज्ञात युवक का शव, हार्ट अटैक से मौत की आशंका

दुर्ग-भिलाई,छ.ग. फ्रटंलाइन। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना अंतर्गत रविवार देर रात एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में किसी तरह की हत्या या आपराधिक वारदात के संकेत नहीं मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, युवक की मौत हार्ट अटैक से होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पुलिस ने बताया कि जियो पेट्रोल पंप के पीछे संदिग्ध अवस्था में युवक का शव पड़ा मिला। उसकी उम्र करीब 27 से 30 वर्ष के बीच आंकी गई है। मौके पर युवक की शर्ट के बटन खुले हुए थे और बेल्ट भी खुली मिली। शरीर पर किसी प्रकार की चोट या संघर्ष के निशान नहीं पाए गए, जिससे दुर्घटना या मारपीट की संभावना से इनकार किया जा रहा है।

कुम्हारी थाना प्रभारी के अनुसार, फिलहाल कोई संदिग्ध तथ्य सामने नहीं आया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाकों में युवक की पहचान को लेकर पूछताछ की जा रही है।

वहीं, ष्टस्क्र छावनी प्रशांत पैकरा ने बताया कि प्रारंभिक तथ्यों के आधार पर मामला हार्ट अटैक से मौत का प्रतीत होता है। आशंका है कि युवक वॉशरूम जाने के दौरान अस्वस्थ हुआ होगा। अटैक आने पर उसने जूते उतारे और गर्मी के कारण शर्ट के बटन खोल दिए होंगे। इसके बाद वह वहीं लेट गया, जहां उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

बागबाहरा संग्रहण केंद्र में सूखत के संबंध में जानकारी

महासमुंद, छ.ग. फ्रटंलाइन। महासमुंद जिले के बागबाहरा संग्रहण केंद्र में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान संग्रहित धान में आई सूखत के संबंध में फैलायी जा रही भ्रामक एवं तथ्य से परे जानकारी का जिला विपणन अधिकारी द्वारा खंडन किया गया है।

जिला विपणन अधिकारी श्री आशुतोष कोसरिया ने इस संबंध में कहा कि संग्रहित धान के निराकरण में दर्शाई गई सूखत को चूहों, कीटों अथवा पतंगों द्वारा खाए जाने से जोड़ना पूर्णत: असत्य एवं भ्रामक है। उन्होंने बताया कि यह सूखत वास्तविक रूप से उपार्जन केंद्रों से धान के संग्रहण केंद्रों में भंडारण के पश्चात कस्टम मिलिंग के तहत मिलरों को प्रदाय किए गए धान के वजन में आई स्वाभाविक कमी की मात्रा है।

श्री कोसरिया ने जानकारी दी कि धान का भंडारण दिसंबर 2024 से किया गया था, जिसका अंतिम रूप से निराकरण अक्टूबर 2025 में हुआ। लंबे समय तक खुले में भंडारण के कारण धान की प्रकृति में परिवर्तन आना स्वाभाविक है, जिसके परिणामस्वरूप धान में सूखत की स्थिति उत्पन्न होती है। यह एक सामान्य एवं नियमित प्रक्रिया है, जो पूर्ववर्ती वर्षों में भी देखी गई है।

पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, गैंगवार में युवक की मौत

रायपुर,**छ.ग. फ्रटंलाइन।** राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई इलाकों में बढ़ते अपराध के बीच एक बार फिर गैंगवार की घटना सामने आई है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुए आपसी संघर्ष में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरानी रंजिश के चलते दो गुटों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान चाकूबाजी की गई, जिसमें आदित्य कुर्रे और अभय सारथी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान आदित्य कुर्रे ने दम तोड़ दिया, जबकि अभय सारथी की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है।

टाटीबंध में रूम हीटर से लगी आग, बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी रायपुर के टाटीबंध क्षेत्र में रूम हीटर से लगी आग ने एक बुजुर्ग की जान ले ली। यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ, जब बुजुर्ग घर में अकेले थे और उनका बेटा बाहर से घर का दरवाजा लॉक कर मार्किट गया हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घर में चालू रूम हीटर में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे देखते ही देखते आग भड़क उठी और पूरा कमरा धुएं से भर गया। आग लगने के बाद बुजुर्ग ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन धुएं और लपटों के बीच वे असहाय हो गए। इसी दौरान घर से घना धुआं निकलता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और मदद का प्रयास किया, लेकिन घर का दरवाजा बाहर से बंद होने के कारण वे अंदर प्रवेश नहीं कर सके। लोगों ने दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बुजुर्ग आग की चपेट में आकर जिंदा जल गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

कलेक्टर ने ली जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा नारको को-ऑर्डिनेशन की संयुक्त समीक्षा बैठक

अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सजगता और सतर्कता से कार्य करने के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर कलेक्टर - अजीत वसंत ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के साथ जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा नारको को-ऑर्डिनेशन के सम्बन्ध में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक सहित पुलिस, राजस्व, वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, परिवहन, नगर पालिका और आबकारी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत में जिले में नशे के कारोबार में रोक लगाने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों द्वारा प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने निर्देशित किया।

नशे के कारोबार पर सख्त निगरानी के निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि नशे का कारोबार चिंता का विषय है, नशा क्राइम का पहला चरण है। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना का मूल नशे से सम्बंधित होता है, इसे रोकने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों पर अवैध शराब, गांजा, अफीम, सिरप, सिरिंज, इंजेक्शन या अन्य नशीली दवाओं के व्यापार का संदेह हो, उनके संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र कर तत्काल उपलब्ध कराएं। संदेहास्पद गतिविधियों पर निगरानी रखें, सूचना प्राप्त होते ही त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी को सभी मेडिकल दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा डॉक्टरों के परामर्श पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेज परिसर के 100 गज के भीतर तम्बाकू से संबंधित अन्य उत्पादों का विक्रय करने वाले दुकानों को समझाइश दें, नोटिस के बाद भी दुकान न हटाने पर आवश्यक कार्रवाई कर दुकानों को हटवाएं। एसपी श्री राजेश अग्रवाल ने वन विभाग को अंदरूनी क्षेत्रों में गांजे की खेती पर निगरानी रखते हुए तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना देने कहा। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों एवं पड़ोसी जिलों से आने वाले वाहनों की सतत जांच करें। उन्होंने कहा कि हमें नशे के कारोबार को रोकने में गम्भीरता से कार्य करना होगा। बैठक में समाज कल्याण विभाग को नशामुक्ति से सम्बंधित जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने कहा गया। कलेक्टर श्री वसंत ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों से अनुभागवार चर्चा कर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि एसडीएम, एसडीपीओ तथा थाना प्रभारी अपने- अपने क्षेत्रों में पेट्रोलिंग कर सघन मॉनिटरिंग करें। किसी प्रकार की समस्या संज्ञान में आने पर तत्काल पुलिस अधिकारी एवं कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराएं। विपरीत परिस्थिति में पूर्व तैयारी जरूरी है, कार्ययोजना बनाकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से समाज प्रमुखों से बात करें, सामाजिक समस्याओं पर चर्चा करें।

समय सीमा में शेष प्रधानमंत्री आवासों को जल्द पूरा करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं- कलेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/ कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा पंचायतों में संचालित निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल, सर्व जनपद सीईओ तथा जिला पंचायत के सभी अधिकारी, अभियंता एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना की हुई समीक्षा

कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, उन्होंने सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों की प्रगति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने जनपद पंचायतवार लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि जनपद पंचायत सीईओ की जिम्मेदारी है कि शत-प्रतिशत कार्यों को समय सीमा में पूरा कराया जाए।

योजना की गंभीरता को समझें, सरपंच सचिव सहित पूरे अमले को लगाएं, प्राथमिकता के साथ प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हितग्राहियों को प्रोत्साहित करें, समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि आगामी दो माह में प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रधामनंत्री जनमन आवास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि पहुंचविहीन आवासों को छोड़कर जल्द लक्ष्य पूर्ण करें।

स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने मिशन अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिला स्तरीय प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई केंद्र की जानकारी लेते हुए कचरा कलेक्शन की प्रक्रिया, निर्मित उत्पादों के बारे में पूछा तथा केंद्र की सराहना की।समीक्षा के जिला पंचायत सीईओ ने मैनपाट में संचालित ग्रामीण गार्बेज कैफे की जानकारी दी। उन्होंने स्वच्छता कार्यों की निरंतर निगरानी, ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने और ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

मनरेगा कार्यों की समीक्षा

बैठक में जिले में मनरेगा अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के लक्षित मानव दिवस व निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई। इस दौरान डबरी निर्माण के संबंध में प्राप्त आवेदनों के प्राथमिकता के साथ स्वीकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मजदूरी भुगतान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय पर मजदूरी भुगतान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत आवास हितग्राहियों को 90 दिनों की मजदूरी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली तथा समय सीमा में पूर्ण करने कहा। उन्होंने मनरेगा श्रमिको का ई-केव्हाइसी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के तहत 60 मानव दिवस पूर्ण करने वाले श्रमिकों का कुशल ट्रेड में आरसेटी के माध्यम से ट्रेनिंग कराए जाने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समीक्षा के दौरान उन्होंने महिला समूहों को उद्यमिता से जोड़ने और उनके आय में बढ़ोत्तरी करने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने जिले में महिलाओं द्वारा किए जा रहे आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली तथा योजना के माध्यम से चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका के रूप में आत्म निर्भर बनाने कहा।

लंबित कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने दिए निर्देश

बैठक में उन्होंने पंचायत स्तर पर लंबित निर्माण कार्यों की जानकारी ली तथा कहा कि 2020-21 एवं 2021-22 के लंबित सभी कार्य लक्ष्य तैयार करें, यदि किसी प्रकार की समस्या न हो तो जल्द पूरा करें। वहीं 2022-23 के कार्यों को आगामी 2 माह में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जनपदवार कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को गम्भीरता से लें। उन्होंने ऐसे पुराने कार्य जो पूर्ण नही कराए जा सकते, उसकी वसूली करवाने निर्देशित किया। उन्होंने डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की भी जानकारी की।

जिला अध्यक्ष शशि सिंह का ब्लॉक अध्यक्ष को लेकर विरोध, दीपक बैज को पत्र लिखकर बदलने की मांग की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर - ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर जिला कांग्रेस पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आया है। सूरजपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने सीधे प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखकर मौजूदा नियुक्ति पर सवाल खड़े कर दिए हैं और ब्लॉक अध्यक्ष को बदलने की मांग की है।

शहर अध्यक्ष अलग, फिर ब्लॉक अध्यक्ष शहरी क्यों?

जिला अध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि सूरजपुर ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति से कार्यकताओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने सवाल उठाया है कि जब शहर कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति अलग से की जा चुकी है, तो फिर ब्लॉक अध्यक्ष को शहरी क्षेत्र से क्यों चुना गया। जिला अध्यक्ष ने इस फैसले को जमीनी हकीकत और संगठनात्मक संतुलन के खिलाफ बताया है।

ग्रामीण-आदिवासी बहुल ब्लॉक, फिर भी शहरी चेहरा?

पत्र में उल्लेख किया गया है कि सूरजपुर ब्लॉक में 100 पंचायतें आती हैं और यह प्रेमनगर व भटगांव विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रों की करीब 95 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है, जिसमें आदिवासी वर्ग की संख्या सबसे अधिक है। इसके बावजूद ब्लॉक अध्यक्ष का चयन शहरी क्षेत्र से किए जाने को कार्यकताओं ने अस्वीकार्य बताया है।

जमीनी कार्यकताओं की अनदेखी का आरोप

जिला अध्यक्ष ने संकेतों में आरोप लगाया है कि ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति में जमीनी कार्यकताओं की भावना और संगठन की वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज किया गया। पत्र में साफतौर पर कहा गया है कि पार्टी के ऊजार्वान और सक्रिय युवा कार्यकर्ता संतोष पावले इस पद के लिए सबसे उपयुक्त और सर्वमान्य नाम हैं।

प्रदेश नेतृत्व पर बढ़ा दबाव

पत्र के जरिए प्रदेश नेतृत्व से मांग की गई है कि पार्टी हित में इस नियुक्ति पर पुनर्विचार किया जाए और ब्लॉक अध्यक्ष का नाम बदला जाए। यह पत्र अब सिर्फ संगठनात्मक आग्रह नहीं, बल्कि प्रदेश नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया पर सीधा सवाल बन गया है।

शराब के नशे में कार चलाने से दो युवकों की मौत, चालक पर मामला दर्ज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। सरकंडा थाना क्षेत्र के नूतन चौक में हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने नेक्सॉन कार चला रहे युवक नीरज द्विवेदी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा तेज रफ्तार, चालक की लापरवाही और शराब के नशे में वाहन चलाने के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार नीरज द्विवेदी अपने मित्र आनंद चंद्रा, अंशु चंद्रा और हिमांशु राठौर के साथ नेक्सॉन कार

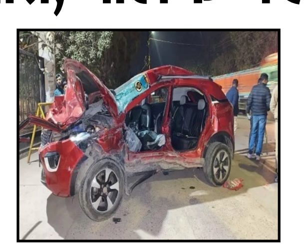

से रात करीब 11.15 बजे नूतन चौक की ओर जा रहा था। मोड़ पर तेज गति के कारण कार अनियंत्रित हो गई। अचानक ब्रेक लगाने और स्टीयरिंग तेजी से घुमाने के कारण वाहन दूसरी लेन में चला गया, जहां सामने से आ रही हाइवा से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हिमांशु राठौर और अंशु चंद्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि चालक नीरज द्विवेदी शराब के नशे में था और वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। सरकंडा पुलिस ने चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और मृत्यु कारित करने की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने नूतन चौक को दुर्घटना संभावित क्षेत्र बताते हुए सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है।

एनडीआरएफ घुनघुटा बांध में बाढ़ आपदा से बचाव का किया रिहर्सल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - जिले के घुनघुटा बांध में आम नागरिकों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एनडीआरएफ द्वारा मॉक ड्रिल अभ्यास का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल 03 वाहिनी एनडीआरएफ, मुण्डली (कटक, ओडिशा) के डिप्टी कमांडर श्री पवन जोशी के मार्गदर्शन में तथा सब-इंस्पेक्टर श्री अभिजीत साहू के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। प्रथम प्रारंभ अभ्यास में यह दशार्या गया कि अचानक जलस्तर बढ़ने से घुनघुटा बांध क्षेत्र के समीप स्थित गांव में 10 नागरिक फंस गए हैं। एनडीआरएफ के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए दो बोट की सहायता से सभी नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

डूबते व्यक्ति को बचाने एवं सीपीआर का हुआ प्रदर्शन

दूसरे दृश्य में एक नाव में सवार दो यात्रियों के आपसी विवाद के कारण नदी में गिरकर डूबने की स्थिति उत्पन्न होने का अभ्यास किया गया। इस दौरान एनडीआरएफ की बोट तत्काल मौके पर पहुंची और जवानों द्वारा दोनों डूबते व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से डूबते व्यक्ति को बचाने की विधि तथा सीपीआर देने की वैज्ञानिक प्रक्रिया का विस्तृत प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत नदी में डूबे एक व्यक्ति की खोज एनडीआरएफ के प्रशिक्षित गोताखोरों द्वारा की गई। चौथे दृश्य में क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जा रही एक सिविल बोट के दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति दिखाई गई, जिसमें एनडीआरएफ के जवानों ने त्वरित राहत कार्य करते हुए डूबते व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। साथ ही नदी में डूब रहे एक अन्य व्यक्ति को भी सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया।

केंद्रीय जेल में बंद हत्या के आरोपी कैदी की इलाज के दौरान मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। दुर्ग जिले की केंद्रीय जेल में हत्या के मामले में सजा काट रहे एक कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक कैदी की पहचान विनय प्रताप सिंह (35) के रूप में हुई है, जो मोहन नगर थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या (धारा 302) के मामले में मार्च 2023 से केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध था। मामले की सुनवाई के बाद 28 नवंबर 2025 को उसे दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद से वह जेल में सजा काट रहा था। जेल प्रशासन के अनुसार, विनय प्रताप सिंह लंबे समय से लो शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) और मानसिक बीमारी से पीड़ित था। उसकी तबीयत अक्सर बिगड़ती रहती थी, जिस कारण जेल अस्पताल में उसका नियमित उपचार किया जा रहा था। डॉक्टरों की निगरानी में उसे दवाइयां दी जा रही थीं और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाता था। जेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कैदी के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई। केंद्रीय जेल अधीक्षक मनीष संभाकर के अनुसार, बीते दिन सुबह अचानक कैदी की हालत गंभीर हो गई। लो शुगर बढ़ने के कारण उसकी स्थिति और बिगड़ने लगी, जिसके बाद तत्काल उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया। एम्बुलेंस के माध्यम से उसे रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा उपचार किया जा रहा था। इसी दौरान इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

ब्रिज मरम्मत के चलते रेल यातायात प्रभावित, 2 दिन 6 पैसेंजर ट्रेनें रद्द

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेल मंडल में रेलवे ब्रिज की मरम्मत के कारण दो दिनों तक ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा, जिससे रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ की छह मेमू पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। 17 और 18 जनवरी को बिलासपुर-रायगढ़-बिलासपुर तथा बिलासपुर-कोरबा-बिलासपुर सेक्शन की मेमू लोकल ट्रेनें नहीं चलेंगी, जिससे प्रतिदिन ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। बिलासपुर रेल मंडल के कोटमीसोनार-जयरामनगर सेक्शन के बीच किलोमीटर 700/32 से 701/02 में स्थित रेलवे ब्रिज क्रमांक 12 में आवश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है। इसी कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ट्रैफिक ब्लॉक लेकर कार्य किया जाएगा। इसके

चलते कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि कुछ गाड़ियों की गति भी अस्थायी रूप से धीमी रहेगी। रेलवे के अनुसार 17 एवं 18 जनवरी को रायगढ़ से चलने वाली 68737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर, बिलासपुर से चलने वाली 68738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर, 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर, कोरबा से चलने वाली 68731 कोरबाझबिलासपुर मेमू पैसेंजर तथा बिलासपुर से चलने वाली 68732 बिलासपुर-कोरबा मेमू पैसेंजर रद्द रहेंगी। वहीं 18 एवं 19 जनवरी को रायगढ़ से चलने वाली 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर भी रद्द रहेगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पूर्व ट्रेनों की स्थिति की जानकारी लेकर ही सफर करें।

भारत के लिए संभावनाएं और चुनौतियां

इस्लामिक नाटो

कांतिलाल मांडोत

हाल के महीनों में जिस अवधारणा ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह है तथाकथित इस्लामिक नाटो। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रक्षा समझौता, उसमें तुर्किये की संभावित भागीदारी और अरब-इस्लामिक मंचों पर सामूहिक सुरक्षा की चर्चा ने इस विचार को नई हवा दी है। इस्लामिक नाटो' फिलहाल एक उभरती हुई परिकल्पना है, न कि एक ठोस हकीकत। इसके रास्ते में कई राजनीतिक, वैचारिक और व्यावहारिक अड़चनें हैं। जिस तरह से दुनिया का शक्ति संतुलन बदल रहा है, उसमें इस तरह की अवधारणाओं का उभरना स्वाभाविक है। भारत के लिए जरूरी है कि वह इन संकेतों को गंभीरता से समझे, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर सजग रहे।

दुनिया की राजनीति इस समय एक गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। शीत युद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब धीरे-धीरे ढीली पड़ती दिख रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने स्तर पर नए सुरक्षा विकल्प तलाश रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में हाल के महीनों में जिस अवधारणा ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह है तथाकथित इस्लामिक नाटो। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ रक्षा समझौता, उसमें तुर्किये की संभावित भागीदारी और अरब-इस्लामिक मंचों पर सामूहिक सुरक्षा की चर्चा ने इस विचार को नई हवा दी है। यह महज तीन देशों की आपसी नजदीकी का मामला नहीं है, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दूरगामी असर डालने वाली प्रक्रिया का संकेत भी है। भारत के संदर्भ में यह विषय इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत के अधिकतर इस्लामिक देशों के साथ लंबे समय से कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते रहे हैं। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में शामिल हैं। खाड़ी देशों में करोड़ों भारतीय काम करते हैं और वहां से आने वाला धन भारतीय अर्थव्यवस्था की एक मजबूत रीढ़ है। अब तक भारत ने इन देशों के साथ राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यावहारिक और संतुलित संबंध बनाए रखे हैं।

अगर इस्लामिक देशों का कोई औपचारिक सैन्य संगठन अस्तित्व में आता है तो इस संतुलन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच सितंबर 2025 में हुआ रक्षा समझौता इस पूरी चर्चा की बुनियाद है। इस समझौते में यह प्रावधान रखा गया कि अगर दोनों में से किसी एक देश पर हमला होता है, तो उसे दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। यह विचार पश्चिमी सैन्य गठबंधन की तर्ज पर है, जिसमें सामूहिक रक्षा की अवधारणा शामिल होती है। पाकिस्तान की खासियत यह है कि वह इकलौता इस्लामिक देश है जिसके पास परमाणु हथियार है। यही कारण है कि सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के लिए पाकिस्तान का साथ रणनीतिक रूप से आकर्षक बन जाता है। तुर्किये की संभावित भागीदारी इस गठजोड़ को और मजबूत रूप दे सकती है, क्योंकि तुर्किये के पास आधुनिक सैन्य तकनीक, प्रशिक्षित सेना और यूरोप तथा एशिया को जोड़ने वाली भौगोलिक स्थिति है। हालांकि यह भी सच है कि इस्लामिक देशों के बीच एक मजबूत और एकजुट सैन्य संगठन बनाना आसान नहीं है। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि मुस्लिम देशों ने पहले भी इस तरह की कोशिशें की हैं, लेकिन वे अक्सर कागजों से आगे नहीं बढ़ पाईं। सऊदी अरब की पहल पर बना आतंकवाद विरोधी इस्लामिक सैन्य गठबंधन हो या इस्लामिक सहयोग संगठन के भीतर संयुक्त सुरक्षा बल का प्रस्ताव, ये सभी योजनाएं आपसी मतभेदों और राजनीतिक असहमति के चलते ठंडे बस्ते में चली गईं। शिया और सुन्नी विभाजन, क्षेत्रीय नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और बाहरी शक्तियों से जुड़े हित इन प्रयासों की सबसे बड़ी बाधा रहे हैं। मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति इस बहस को और जटिल बना देती है। इजराइल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। कई इस्लामिक देशों पर हुए

हमलों के बाद अरब दुनिया में यह भावना गहरी हुई है कि उनकी सुरक्षा केवल बाहरी शक्तियों के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। तेल संपन्न खाड़ी देशों के पास धन की कमी नहीं है, लेकिन परमाणु या अत्याधुनिक रणनीतिक हथियारों के मामले में वे कमजोर हैं। ऐसे में पाकिस्तान जैसे देश के साथ खड़ा होना उन्हें एक तरह की सुरक्षा ढाल का एहसास देता है। भारत के लिए यह परिदृश्य चिंता का विषय इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान लंबे समय से इस्लामिक मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ माहौल बनाने के लिए करता रहा है। कश्मीर मुद्दे को इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठकों में उठाया जाना और आतंकी घटनाओं को अंतरराष्ट्रीय रंग देने की कोशिशें इसका उदाहरण हैं।

विदेश मामलों के जानकार डॉ. राजन कुमार का मानना है कि भारत कभी नहीं चाहेगा कि इस्लामिक देशों के बीच कोई औपचारिक सैन्य संगठन बने, खासकर तब जब उसमें पाकिस्तान जैसी भूमिका हो। पाकिस्तान का परमाणु दर्जा उसे इस्लामिक दुनिया में एक अलग तरह की हैसियत देता है, जिसका इस्तेमाल वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कर सकता है। अगर भविष्य में इस्लामिक नाटो जैसा कोई संगठन बनता है और उसमें सामूहिक रक्षा का सिद्धांत लागू होता है, तो भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी संभावित संघर्ष का दायरा बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित न रहकर बहुपक्षीय रूप ले सकता है। तुर्किये पहले ही कई मौकों पर पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर सामने आ चुका है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी कूटनीतिक रणनीति को और व्यापक बनाया है। ग्रीस और साइप्रस जैसे देशों के साथ रक्षा और रणनीतिक सहयोग बढ़ाना, इजराइल के साथ रिश्तों को और मजबूत करना, और पश्चिम एशिया में संतुलित नीति अपनाना इसी दिशा के कदम हैं। भारत की कोशिश रही है कि वह किसी एक खेमे में बंधने के बजाय सभी के साथ व्यावहारिक संबंध बनाए रखे। बदलते हालात में यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा।

दूसरी ओर, यह भी समझना जरूरी है कि इस्लामिक नाटो की अवधारणा फिलहाल विचार और चर्चा के स्तर पर ही है। दोहा जैसी बैठकों में इसे सिद्धांत रूप में स्वीकार जरूर किया गया है, लेकिन कोई ठोस समयसीमा या स्पष्ट ढांचा सामने नहीं आया है। इस्लामिक देशों के आपसी मतभेद इतने गहरे हैं कि उन्हें एक मंच पर लाना ही बड़ी चुनौती है। मिस्र, जॉर्डन और कतर जैसे देश अभी भी अमेरिका के बड़े सहयोगी हैं। इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों की राजनीति और प्राथमिकताएं मध्य पूर्व से काफी अलग हैं। ऐसे में सभी का एकजुट होना आसान नहीं दिखता। फिर भी सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बढ़ती सैन्य और रणनीतिक नजदीकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत है, जिसमें क्षेत्रीय शक्तियां अपने हितों की रक्षा के लिए नए रास्ते तलाश रही हैं। भारत के लिए यह एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि भविष्य की चुनौतियों के लिए अभी से तैयार रहना होगा, और अवसर इसलिए कि सक्रिय कूटनीति, मजबूत आर्थिक संबंधों और बहुपक्षीय संवाद के जरिए इन बदलावों को संतुलित किया जा सकता है। कहा जा सकता है कि 'इस्लामिक नाटो' फिलहाल एक उभरती हुई परिकल्पना है, न कि एक ठोस हकीकत। इसके रास्ते में कई राजनीतिक, वैचारिक और व्यावहारिक अड़चनें हैं। जिस तरह से दुनिया का शक्ति संतुलन बदल रहा है, उसमें इस तरह की अवधारणाओं का उभरना स्वाभाविक है। भारत के लिए जरूरी है कि वह इन संकेतों को गंभीरता से समझे, अपनी रणनीति को समय के साथ ढाले और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर सजग रहे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सम्पादकीय

अनावश्यक दबाव न बनाएं कानून को काम करने दें

केंद्रीय जांच एजेंसियों पर अक्सर निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से ये एजेंसियां विपक्षी दलों के निशाने पर रही हैं। सर्वोच्च अदालत भी ईडी की कार्यप्रणाली पर असंतोष जाहिर कर चुकी है। मगर हाल ही में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जो घटना हुई, उसमें न केवल ईडी, बल्कि राज्य सरकार भी सवालों के घेरे में आ गई है। केंद्रीय एजेंसी की ओर से एक राजनीतिक परामर्श फर्म के दफ्तर पर छापे के दौरान खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वहां पहुंचकर हस्तक्षेप करना निस्संदेह कई सवाल खड़े करता है। इस घटना को लेकर ईडी और मुख्यमंत्री के अपने-अपने तर्क हैं, लेकिन इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि आखिर इस तरह की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। दरअसल, ईडी ने आईपैक मामले में कोलकाता में छापेमारी की थी। इस दौरान राज्य की ममता बनर्जी मौके पर पहुंची और ईडी के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कुछ फाइलें अपने साथ ले गईं। अब इस मामले में गंभीरता से विचार करने वाली बात यह है कि क्या कोई मुख्यमंत्री या मंत्री सीधे केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि आप एक राज्य की मुख्यमंत्री हो सकती हैं, लेकिन कानून से ऊपर नहीं। जांच एजेंसी पर अनावश्यक दबाव नहीं दिया जा सकता। कोई भी मुख्यमंत्री या मंत्री एजेंसियों की कार्रवाई में बाधा नहीं बन सकता। ममता द्वारा ईडी के अधिकारियों के खिलाफ कोलकाता में दर्ज करवाए गए केस भी किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहे जा सकते। सभी को चाहिए कि कानून को अपना काम करने दें। जांच एजेंसियों पर किसी भी सूरत में अनावश्यक दबाव नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को बड़ा झटका देते हुए ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को स्थगित कर दिया और ममता बनर्जी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने कहा कि यह मामला बहुत गंभीर है और इसकी गहन जांच की जानी चाहिए। इस विवाद के कई पहलू हैं। ममता ने ईडी की कार्रवाई को जहां राजनीतिक बदला बताया है, वहीं ईडी ने इसे जांच में बाधा डालने का मामला कहा है। अब यह विवाद संवैधानिक मुद्दा बन गया है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अधिकारों का टकराव हो रहा है। इसके गंभीर परिणाम दिखाई देंगे। ईडी ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी ने जांच में बाधा डाली है, जबकि ममता बनर्जी ने इसे जांच की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। ईडी का कहना है कि जब देश के उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे लोग सरेआम जब्त किए गए सबूत छीनते हैं और उनका मीडिया में प्रदर्शन करते हैं, तो यह सीधे तौर पर संविधान और कानून के शासन का अपमान है। इस तरह की घटनाएं जांच एजेंसियों के कामकाज को कमजोर करती हैं और कानून के पालन में बाधा बनती हैं। एजेंसी ने पश्चिम बंगाल पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े करते हुए दावा किया कि बंगाल पुलिस ने एफआईआर के नाम पर उन सीसीटीवी कैमरों को जब्त कर लिया, जिनमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री और अधिकारियों द्वारा जांच में बाधा डालने की पूरी रिकॉर्डिंग मौजूद थी। एजेंसी ने इसे साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश करार दिया और कहा कि केंद्रीय अधिकारियों को डराने और भविष्य में जांच से रोकने के लिए उनके खिलाफ झूठी और कई एफआईआर दर्ज की जाती हैं, ताकि वे दबाव में आकर अपना काम न कर सकें।

मंथन

बाल मुकुन्द ओझा

समाज की जटिल सच्चाई

बन गए हैं बिखरते रिश्ते

परिवार के सम्बन्ध में देशभर से मिल रही ख़बरें बेहद चिंताजनक हैं। परिवार को हमारे समाज में सामाजिक और सार्वभौमिक संस्था के रूप में स्वीकारा गया है। अनुशासन, आपसी स्नेह और भाईचारा तथा मर्यादा, परिवार को एक खुशहाल परिवार बना देता है। बुजुर्गों का कहना है जिस परिवार में एकता की भावना होती है, उसी घर में ही सुख-शांति और सम्पन्नता का निवास होता है। यही सामाजिक संस्था आज खंडित होने की स्थिति में है। परिवार और बिखरते रिश्ते आज समाज की एक जटिल सच्चाई बन गए हैं। परिवार की व्यवस्था आज की नहीं है, बल्कि ऋषि-मुनियों की देन है। आज दरकते रिश्तों से परिवार व्यवस्था टूट रही है जो समाज के लिए ठीक नहीं है। आज भी देश और दुनिया, परिवार और संयुक्त परिवार की अहमियत को लेकर विवादों में उलझी है। भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। वह भी एक जमाना था, जब भरा-पूरा परिवार हंसता-खेलता और चहकता था और एक-दूसरे से जुड़ा रहता था। बच्चों की किलकारियों से मोहल्ला गूंजता था। पैसे कम होते थे पर उसमे भी बहुत बरकत होती थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं और टूटते जा रहे हैं। हमारे रिश्ते बिखरते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार की आज के समय में महती आवश्यकता है। संयुक्त परिवारों के अभाव में भाईचारा एवं पारिवारिक वातावरण खत्म होने लगा है। परिवार में रिश्तों की नीरसता और संवादहीनता को दूर करने, परस्पर भाईचारे व तालमेल को बैठाने के लिए रिश्तों में सकारात्मक सोच को बढ़ाने की जरूरत है। परिवार के सभी छोटे हुए बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करें तथा दिनभर घटित होने वाली छोटी-छोटी बातों और दुख-सुख को आपस में बांटें। संयुक्त राष्ट्र ने 1994 को अंतरराष्ट्रीय परिवार वर्ष घोषित किया था। समूचे संसार में लोगों के बीच परिवार की अहमियत बताने के लिए हर साल 15 मई को अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाने लगा है। आज बहुत से ऐसे परिवार हैं जिन्हें एक-दूसरे से खुलकर बात करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिल पाता। आज के जमाने में लाइफ स्टाइल कितनी बदल गई है। बच्चे बहुत छोटी उम्र में ही स्कूल जाना शुरू कर देते हैं। बहुत से माता-पिता काम पर चले जाते हैं। जो थोड़ा-बहुत समय वे साथ होते भी हैं, वह भी टीवी-कंप्यूटर या फोन पर चला जाता है। बहुत से परिवारों में बच्चे और माता-पिता अजनबियों की तरह अपनी-अपनी जिंदगी जीते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में परिजनों से आपस में बात करने में जो खुशी और आनंद मिलता है, उसकी कल्पना शब्दों में नहीं की जा सकती। परिजनों से बात करने का सुख अब विरलों को ही मिल पाता है। इससे तनाव कम होने के साथ विभिन्न पारिवारिक दिक्कतों और समस्याओं का एक ही जाजम पर हाथों हाथ निपटारा हो जाता है। परिवार मर्यादा और आदर्श का जीवंत उदाहरण है। यह सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज का अस्तित्व नामुमकिन है। फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है, जो सबको एक साथ जोड़ कर रखता है। अक्सर देखा जाता है परिजन रहते एक छत के नीचे हैं, मगर उनमें आपसी बातचीत नहीं हो पाती है। इससे परिवार में घुटन और तनाव के साथ असुरक्षा का भाव रहता है। यदि एक दिन में एक घंटे भी परिजन साथ बैठकर बातचीत कर लें तो परिवार की खुशियां द्विगुणित हो सकती हैं। हमारा देश भारत, विश्व में परिवार मर्यादा और आदर्श का जीवंत उदाहरण है। यह सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज का अस्तित्व नामुमकिन है। पहले मानव एक कबीले के रूप में रहता था। सभ्यता और संस्कृति के विकास के साथ परिवार की परिभाषा भी बदलती गई। आज संयुक्त परिवार भी विघटन के कगार पर है। लोग एकाकी रहने लगे है। सियासी प्रगति की अंधी दौड़ में हमने दुनिया को अवश्य अपनी मुट्ठी में कर लिया है, मगर परिवार नामक संस्था से विमुख होते जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि देश में पारिवारिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, जिसका खामियाजा बच्चे से बुजुर्ग तक को उठाना पड़ रहा है। एक ही परिवार में धीरे-धीरे एक-दूसरे से आपसी बातचीत बंद होने से अनेक समस्याएं उठ खड़ी हुई हैं। समय रहते बातचीत का रास्ता नहीं खुला तो तनाव, घुटन और अवसाद का सामना करना पड़ सकता है। बातचीत और आपसी संवाद खुशियों का खजाना हैं जिससे मरहूम होना किसी भी परिवार के लिए संभावित व्याधि को आमंत्रित करना है। महानगरीय संस्कृति ने परिवार व्यवस्था को मटियामेट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है फलस्वरूप मानव को अनेक संकटों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर परिवार विघटित होने से समाज व्यवस्था गड़बड़ाने लगी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य में ऐसी शक्ति जो आपको सौ झूठ से बचाए

संसार में सत्य को सबसे सुंदर कहा गया है। हमारे शास्त्र भी कहते हैं कि सत्य के लिए किसी से भी संघर्ष करने के लिए स्वयं को सदैव तत्पर रखना चाहिए। एक सत्य ही तो है, जो मनुष्य को सौ झूठ बोलने से बचा लेता है। सत्य की ऐसी महत्ता-महिमा होते हुए भी संप्रति संसार में असत्य का बोलबाला बढ़ा है। हालांकि, असत्य का आश्रय लेने वालों को

सदैव यह स्मरण रखना चाहिए कि अंत में विजय सत्य के खेमे का ही वरण करता है। वास्तव में जहां सत्य है, वहीं धर्म है और जहां धर्म वहीं विजय है। यदि हमारी जीवन रूपी इमारत सत्य रूपी नींव पर खड़ी होगी तभी हम उसे निरंतर ऊंचाई प्रदान करते हुए उसकी प्रकृति को संरक्षित रख पाएंगे। सत्य के महत्व पर बुद्ध ने कहा कि सत्य को छोड़कर जो असत्य बोलता है, धर्म का उल्लंघन करता है, परलोक की जिसे चिंता नहीं है, वह व्यक्ति बड़े से बड़ा पाप कर सकता है। इसलिए असत्य का परित्याग ही श्रेयस्कर है। मनीषी कहते हैं कि 'मनसा वाचा कर्मणा' यानी मन, वचन और कर्म से सत्य बोलना चाहिए। जो विचार मन में हों वही वाणी में भी होने चाहिए और उसी के अनुरूप ही मनुष्य का व्यवहार भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि मन, वचन और कर्म से अलग रहने वाले पूर्णरूपेण सत्य का आचरण नहीं कर सकते।गांधी जी जैसे महामानव सत्य को निरपेक्ष सत्य के रूप में ग्रहण करते हैं। सत्य को ईश्वर का पर्यायवाची बताते हैं। उसे अपनी नीति का अहम अवयव मानते हैं। इसी सत्य के प्रति निष्ठावान हैं।

संकलित

दर्शन

जिसका भी मनोबल जागा

राजा सुकीर्ति के पास एक लौहश्रुन्ध नामक हाथी था। राजा ने कई युद्ध में उसपर चढ़ाई करके विजय पायी थी। बचपन से ही उसे इस प्रकार से तैयार किया गया था कि युद्ध में शत्रु सैनिको को देखकर वो उनपर इस तरह टूट पड़ता। समय गुजरता गया, अब वह पहले की तरह कार्य नहीं कर पाता था। इसलिए अब राजा उसे युद्ध क्षेत्र में भी नहीं भेजते थे। वह सिर्फ हाथी

शाला की शोभा बन कर रह गया। एक दिन वह सरोवर में जल पान के लिए गया, लेकिन वहीं कीचड़ में उसका पैर धंस गया और फिर धंसता ही चला गया। हाथी के फंसने का समाचार राजा तक भी पहुँचा। राजा समेत सभी लोग हाथी के आसपास ईकट्ठे हो गए और विभिन्न प्रकार के प्रयत्न उसे निकालने के लिए करने लगे। लेकिन बहुत देर तक प्रयास करने के उपरांत कोई मार्ग नहीं निकला। तभी गौतम बुद्ध मार्गभ्रमण कर रहे थे। राजा और सारा मंत्रीमंडल तथागत गौतम बुद्ध के पास गये और अनुरोध किया। गौतम बुद्ध ने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया। और फिर राजा को सुझाव दिया कि युद्ध का माहौल बनाया गया, वाद्ययंत्र मंगवाए गए। नगाड़े बजवाये गए और ऐसा माहौल बनाया गया कि शत्रु सैनिक लौहश्रुन्ध की ओर बढ़ रहे है। और फिर तो लौहश्रुन्ध में एक जोश आ गया। गले तक कीचड़ में धस जाने के बावजूद वह जोर से चिंघाड़ लगाकर सैनिको की ओर दौड़ने लगा। बड़ी मुश्किल से उसे संभाला गया। गौतम बुद्ध ने सबको स्पष्ट किया कि हाथी की शारीरिक क्षमता में कमी नहीं थी, आवश्यकता मात्र उसके अंदर उत्साह के संचार करने की थी।

संकलित

प्रेरणा

माघ मेला

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज संगम पर माघ मेला उत्सव के दौरान एक भक्त गुरुवार को सर्दियों की धुंधली सुबह में पूजा करते हुए।

आज की पाती

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा कैसे हो?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहे हैं, वो हिंदुओं पर नहीं, बल्कि मानवता पर अत्याचार हो रहे हैं। इसके लिए वैसे तो सारी दुनिया को आगे आना चाहिए, लेकिन सवाल तो यह है कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का जो घिनौना काम हो रहा है, उसके लिए भारत सरकार क्यों सख्त कदम नहीं उठा रही है? भारत सरकार को चाहिए कि वो वहां से हिंदुओं को सुरक्षित निकालने के उचित इंतजाम करे और सीएए अर्थात नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत इन्हें भारत में शरणार्थी बनाएं। दूसरी चीज, इस मुद्दे को जल्दी से जल्दी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखे और संयुक्त राष्ट्र संघ को वहां एक टीम गठित करने की मांग भारत सरकार को करनी चाहिए, लेकिन सवाल तो यह भी है कि क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई नियम नहीं है क्या? *- वीरेंद्र पाटिल, भिलाई*

ट्रेंड

युवाओं का योगदान

भारत का भविष्य ऐसे युवाओं पर निर्भर है जो वैज्ञानिक सोच रखते हों, जिम्मेदारी से कार्य करें और निःस्वार्थ भाव से सेवा करें। मेरा सभी युवाओं से अनुरोध है कि आप जो भी कार्य चुनें, यह सुनिश्चित करें कि आपका योगदान राष्ट्र को सुदृढ़ बनाएगा और मानवीय मूल्यों को मजबूत करेगा।

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना

नारी शक्ति का विकास कहने से नहीं, उन्हें सच्चा प्रतिनिधित्व देने से होगा। हम 'आधी आबादी' अर्थात हर बच्ची, युवती, नारी, महिला को सामाजिक-आर्थिक रूप से समान सम्मान देने के लिए 'स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना' लाएंगे।

- डिंपल यादव, सांसद, सपा

'फीता काटने' का इंतजार

जयपुर में आने वाली बसों का ट्रैफिक शहर से बाहर ही रोकने के लिए बनाया हीरापुरा सैटेलाइट बस टर्मिनल पिछले 2 साल से बनकर तैयार है, लेकिन सरकार के 'फीता काटने' के इंतजार में ताला बंद पड़ा है।

- अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

विरासत ध्वस्त

भोंडे सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर आपने बनारस के मणिकर्णिका घाट में बुलडोजर चलवाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त करा दिया है। आप चाहते हैं कि इतिहास की हर धरोहर को मिटाकर बस अपना नेम-प्लेट चिपका दिया जाएँ।

-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

वीजा पर लगाई गई रोक, कार्य वीजा व पयर्टन पर लागू नहीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत ''उच्च-जोखिम' वाले 75 देशों के लोगों के लिए प्रवासी वीजा पर लगाई गई ताजा रोक पर्यटक या कार्य वीजा पर लागू नहीं होती और इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो अमेरिका में स्थायी रूप से रहना चाहते हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ईरान, इराक और रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए प्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की। उसने कहा कि इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिकी लोगों की कल्याणकारी योजनाओं का 'अस्वीकार्य दरों' पर लाभ लेते हैं। प्रवासियों पर ट्रंप प्रशासन की सख्ती के तहत उठाया गया यह ताजा कदम उन विदेशियों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए है जिनके अमेरिका में रहते हुए सार्वजनिक लाभों पर निर्भर रहने की आशंका है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रवासियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए और अमेरिकियों पर वित्तीय बोझ नहीं बनना चाहिए। विदेश मंत्रालय सभी नीतियों, विनियमों और दिशानिर्देशों की पूर्ण समीक्षा कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च-जोखिम वाले इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिका में कल्याणकारी योजनाओं का उपयोग न करें।'

ऑफ बीट

चैटजीपीटी को धन्यवाद देना क्या ऊर्जा बर्बाद करना है

यदि आप अगली बार चैटजीपीटी से सवाल करते समय "कृपया" और "धन्यवाद" शब्द हटा देंगे, तो आप अपने 'पृथ्वी' ग्रह को बचाने में मदद करेंगे।

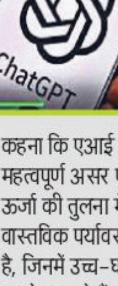

ऑनलाइन बातचीत में कहा जाता है कि चैटजीपीटी से सवाल करते समय "कृपया" और "धन्यवाद" शब्द का उपयोग न करने का मतलब 'पृथ्वी' को बचाने में मदद करना है। यह विचार सुनने में कुछ हद तक सही लगता है क्योंकि एआई सिस्टम टेक्स्ट को क्रमिक रूप से प्रोसेस करते हैं: लंबा प्रॉम्प्ट अधिक कम्प्यूटेशन मांगता है इसलिए अधिक ऊर्जा खर्च होती है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने भी माना है कि अरबों प्रॉम्प्ट के पैमाने पर यह ऑपरेटिंग लागत बढ़ाता है। फिर भी, यह कहना कि एआई को शिष्टाचार के साथ इस्तेमाल करने से पर्यावरण पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है, सही नहीं है। कुछ अतिरिक्त शब्दों का असर उस ऊर्जा की तुलना में नगण्य है जो डेटा सेंटर के संचालन में लगता है। एआई का वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव कृत्रिम बुद्धिमत्ता बड़े डेटा सेंटर पर निर्भर करती है, जिनमें उच्च-घनत्व कंप्यूटिंग अवसंरचना होती है। ये केंद्र भारी बिजली का उपयोग करते हैं, लगातार ठंडे रखे जाते हैं, और ऊर्जा आपूर्ति, जल और भूमि उपयोग जैसे व्यापक सिस्टम में जुड़े होते हैं।

भाजपा महासचिव चुघ ने विपक्ष को घेरा

हार का ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ना बंद करे इंडी गठबंधन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/मुंबई

भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के शानदार प्रदर्शन पर कहा कि भारत की जनता बहुत समझदार है। देश का कोई भी हिस्सा हो, जनता हर जगह कांग्रेस और इंडी गठबंधन को सजा दे रही है। राहुल जी, आईना साफ कर करिए। आईना साफ करने से मुंह पर लगे कालिख के निशान मिट नहीं सकते। आप हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि आपके काले कारनामों पर देश और महाराष्ट्र की जनता वोट की चोट से सजा दे रही है। ये विजय यात्रा 26 मई, 2014 से चल रही है। चुघ ने कहा कि आने वाले बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पांडिचेरी चुनाव में हर जगह जनता का आशीर्वाद भाजपा को ही मिलेगा।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव परिणाम पर बोले नेतागण

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के शानदार प्रदर्शन पर यह बात कही

पाकिस्तान की धुन पर नाचने वाली पार्टी हारी

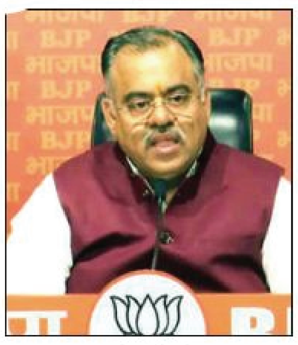
तरुण चुघ

चुघ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस देश में विदेशी टूलकिट की तरह काम करती है। पाकिस्तान की धुन पर नाचने वाली पार्टी की हार हुई है। हार का ठीकरा फोड़ने की कांग्रेस की आदत है। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए नई ऊंचाई को छू रहा है। आज महाराष्ट्र की जनता ने विकसित भारत के संकल्प को आशीर्वाद दिया है। कांग्रेस पर चुघ ने कहा कि पाक सेना की ट्यून पर नागिन डांस करने वाली पार्टियों को जनता जवाब दे रही है।

लोग काम देखकर दे रहे वोट: पाटिल

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि लोग देख रहे हैं कि हमने क्या किया है? हम सिर्फ चुनावी भाषण पर निर्भर नहीं करते। लोग हमारे पुराने काम देखकर ही हम पर विश्वास कर रहे हैं। हमने कोरोना महामारी के दौरान भी काफी काम किया था।अगर ठाकरे भाई भी साथ आए हैं या कांग्रेस और एनसीपी हाथ मिला लें, ये लोगों के हित में नहीं है। लोग समझते हैं कि ये लोग सिर्फ अपने फायदे के लिए साथ आ रहे हैं।

शिवसेना नेता शाइना का तंज

ठाकरे भाई अब वर्क फ्रॉम होम करें

शिवसेना नेता शाइना एनसी ने महायुति की महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में बड़ी जीत का भरोसा जताया है। शाइना ने उद्धव ठाकरे को अपना स्क्रिप्ट राइटर बदलना चाहिए और कोई नया बहाना ढूंढना चाहिए। हार-जीत का फैसला जनता करती है। संदेश यह है कि जो लोग जमीन पर काम करते हैं, उन्हें मौका मिलता है। जो घर से काम करते हैं, उन्हें घर पर ही रहना पड़ता है। ठाकरे भाइयों को वर्क फ्रॉम होम करना चाहिए और घर पर रहना चाहिए।

25 साल से कुछ नहीं किया

महायुति के प्रदर्शन पर शाइना ने कहा कि 25 सालों में उन्होंने कुछ नहीं किया। लेकिन हमारे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दो चरणों में गड्ढों की समस्या हल की। उन्होंने 26 भ्रष्ट ठेकेदारों को जेल भेजा। पिछली सरकार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी नहीं दे पाई। हमने समय पर 7 प्रदान किए। विकास के मामले में हमने 5000 इलेक्ट्रिक बसें, 435 किमी मेट्रो कनेक्टिविटी और पर्यावरण-अनुकूल पहल की हैं। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनावों के लिए गठबंधन बनाने वाले अवसरवादी हैं।

सांसद मोहन ने राज ठाकरे को घेरा

चुनाव में छाई 'रसमलाई', राज ठाकरे ने अन्नामलाई को कही थी यह बात

बेंगलुरु सेंट्रल से लोकसभा सांसद पीसी मोहन ने एक्स पर 'रसमलाई' की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कुछ रसमलाई मंगवाई। यह ट्वीट राज ठाकरे पर सीधा कटाक्ष था, जिन्होंने पिछले सप्ताह की शुरुआत में भाजपा सांसद के अन्नामलाई के साथ जुबानी जंग शुरू की थी। राज ने अन्नामलाई पर निशाना साधते हुए उन्हें 'रसमलाई' कहकर उनका मजाक उड़ाया। उनके अधिकार पर सवाल उठाए।

राउत ने गड़बड़ी का लगाया आरोप

हजारों वोटरों के नाम गायब

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीएमसी चुनावों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, ईवीएम में खराबी और आचार संहिता के उल्लंघन का दावा किया। राउत ने कहा कि मुंबई में दिख रहा वोटिंग पैटर्न एक गंभीर मामला है। उन इलाकों में वोटर लिस्ट से हजारों मतदाताओं के नाम गायब थे, जहां शिवसेना (यूबीटी), मनसे और कांग्रेस को मजबूत समर्थन मिलता है।

खबर संक्षेप

आग से शायर मंसूर की बेटी की जान गई

मुरादाबाद। कोतवाली क्षेत्र के बारादरी मोहल्ले में बुधवार की देर रात नगर निगम से सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं शायर मंसूर उस्मानी के मकान की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में ब्लोअर हीटर से आग लग गई। कमरे में सो रही उनकी बेटी हुमा उस्मानी की जलकर मौत हो गई। हादसे के समय हुमा कमरे में अकेली थीं। लपटें व धुआं देखकर लोगों ने शोर मचाया तो परिजन जागे।

मवेशी को बचाने में पति पत्नी समेत 4 की मौत

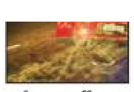

चित्तौड़गढ़। जिले में उदयपुर-चित्तौड़गढ़ सिक्सलेन पर भादसोड़ा थाना क्षेत्र के नरधारी गांव के पास गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में पति-पत्नी सहित 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। 8 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उदयपुर से चित्तौड़गढ़ जा रही कार नरधारी गांव के पास मवेशी को बचाने में असंतुलित हो गई।

जुए के खिलाफ कार्रवाई 242 साइट्स ब्लॉक

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आज 242 गैरकानूनी वेबसाइट लिंक ब्लॉक कर दिए हैं। यह कदम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए फैल रहे जुए पर लगाम लगाने उठाया गया है। अब तक 7,800 अवैध सट्टेबाजी, जुए से जुड़ी वेबसाइट्स को बंद किया है।

प्रख्यात समालोचक वीरेंद्र यादव का निधन

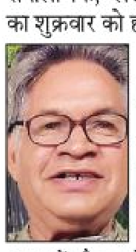

नई दिल्ली। हिंदी के प्रख्यात समालोचक, लेखक वीरेंद्र यादव का शुक्रवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनका स्वास्थ्य खराब था। उन्होंने इंदिरा नगर में अपने घर पर अंतिम सांस ली। उनका जन्म 1950 में जौनपुर में हुआ था। वे कथा आलोचना में सक्रिय रहे। वामपंथी बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में जुड़े थे।

खराब मौसम के चलते राष्ट्रपति का दौरा रद्द

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जालंधर दौरा रद्द हो गया है। उनकी फ्लाइट अमृतसर से टेकऑफ नहीं कर सकी। खराब मौसम के चलते दौरा रद्द करना पड़ा है। उन्हें डॉ. बीआर आंबेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के 21वें कन्वोकेशन में शामिल होना था। इसके पहले जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेशनल स्टार्टअप-डे पर किया संबोधित

भारत की स्टार्टअप क्रांति भविष्य का आधार 10 साल में यह एक बड़े स्तंभ के रूप में उभरा

प्रधानमंत्री ने कहा- इसकी नींव विज्ञान भवन में रखी थी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम पिछले एक दशक में एक सीमित विचार से निकलकर राष्ट्र निर्माण के सबसे बड़े स्तंभ के रूप में उभरा है। 'नेशनल स्टार्टअप डे' के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विकास यात्रा को नए और विकसित होते भारत के भविष्य का आधार बताया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का समूह वास्तव में भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप आंदोलन की विनम्र शुरुआत को याद करते हुए बताया कि लगभग 10 साल पहले, इस कार्यक्रम की नींव विज्ञान भवन में रखी गई थी। उस समय यह पहल बहुत छोटी थी और इसमें भाग लेने वाले नौजवानों की संख्या महज 500 से 700 के बीच थी। पीएम मोदी ने कहा कि आज इस परिदृश्य में आया बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या और उनके विस्तार ने आयोजन स्थल को विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक पहुंचा दिया है।

इनका समूह देश के उज्ज्वल भविष्य को बता रहा

शुरुआत में युवाओं की संख्या 500 के करीब थी

'नेशनल स्टार्टअप डे' के अवसर पर उद्यमियों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

स्टार्टअप उत्साहियों के लिए जगह कम पड़ने लगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज स्थिति यह है कि भारत मंडपम जैसे विशाल आधुनिक केंद्र में भी स्टार्टअप उत्साहियों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। यह बदलाव केवल स्थान का नहीं, बल्कि भारत की नवाचार क्षमता और वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप्स की स्वीकार्यता का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं।

10 साल पूरे होने का मनाया गया जश्न

आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की यात्रा है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे? इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया और आज नतीजा हमारे सामने है।

... तब इसे आर्थिक 'विनाश' के रूप में देखा जाता था

प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले की एक घटना का उदाहरण साझा किया, जिसमें एक युवती ने कॉरपोरेट जगत की सुरक्षित नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू करने का फैसला लिया था। जब वह अपनी मां को यह जानकारी देने कोलकाता गई, तो उसकी मां की प्रतिक्रिया थी, सर्वनाश... तुम बर्बादी की राह पर क्यों जा रही हो!

आज देश की मुख्य धारा बन गया

आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। पीएम ने बताया जिस स्टार्टअप को कभी 'बर्बादी की राह' माना जाता था, आज वही देश के विकास की मुख्यधारा है। इसकी सफलता ने कई अवसर पैदा किए। 'नौकरी चाहने वाले' से 'नौकरी देने वाले' की संस्कृति विकसित की है।

सरकार नए भारत का भविष्य देख रही

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्तमान स्टार्टअप इकोसिस्टम को 'विकसित भारत' के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि वह स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स के इस समूह में नए भारत का उदय देख रहे हैं। उनका मानना है कि नेशनल स्टार्टअप डे केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह उन लोगों का उत्सव है जो अपनी नई सोच से भारत की तस्वीर बदल रहे हैं। भारत की स्टार्टअप यात्रा विज्ञान भवन के सीमित दायरे से शुरू होकर भारत मंडपम की वैश्विक भव्यता तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री के संबोधन साफ है कि सरकार इस क्षेत्र को नए भारत के भविष्य के रूप में देख रही है।

मंत्री गोयल ने उद्यमियों को बताया

देश में 2 लाख स्टार्टअप रजिस्टर्ड 21 लाख से ज्यादा रोजगार दिए

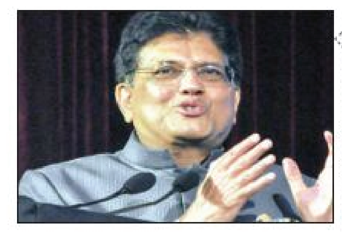

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में शुक्रवार को 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रमुख स्टार्टअप उद्यमियों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आज भारत में करीब 2 लाख स्टार्टअप रजिस्टर्ड हैं। इन स्टार्टअप्स के जरिए अब तक 21 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है। स्टार्टअप इकोसिस्टम लगातार मजबूत हो रहा है और देश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभा रहा है। भारतीय स्टार्टअप 50 से ज्यादा काम कर रहे हैं। इनमें टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, एग्रीटेक, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डीप टेक जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

स्टार्टअप इकोसिस्टम मजबूत बना

कर्नाटक-तमिलनाडु ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग केंद्र बन रहे

गोयल ने बताया कि देश के कुल स्टार्टअप्स में से करीब 50 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों से आ रहे हैं, जो इस बात का सबूत है कि उद्यमिता अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही। उन्होंने कहा कि कर्नाटक और तमिलनाडु अब ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग के बड़े केंद्र बनकर उभर रहे हैं। गोयल ने कहा कि दुनिया के 100 से ज्यादा देश भारत के साथ स्टार्टअप सेक्टर में साझेदारी करना चाहते हैं। सरकार इस दिशा में योजना बना रही है कि इन देशों के साथ सहयोग को कैसे आगे बढ़ाया जाए, ताकि भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर और ज्यादा अवसर मिल सकें।

उद्यमिता और आर्थिक प्रगति को मजबूती मिली

मंत्री गोयल ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि 'स्टार्टअप इंडिया' क्रांति को एक दशक पूरा हो गया है। यह एक साहसिक कदम था, जिसने भारत को बड़ा सोचने और उससे भी बड़ा करने की ताकत दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस दूरदर्शी पहल की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण देश में डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स और उनके द्वारा पैदा किए गए 21 लाख से ज्यादा रोजगार हैं। गोयल ने कहा कि इस सफलता को यह तथ्य और खास बनाता है कि इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में उद्यमिता की भावना को नई ऊर्जा मिली है और युवाओं व महिलाओं को सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों की यह यात्रा निरंतरता, समावेशिता और विकास को दर्शाती है, साथ ही भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के उज्ज्वल भविष्य का भरोसा भी देती है।

राहुल और विजय के बीच आज बैठक

एक्टर विजय के साथ कांग्रेस के गठबंधन पर आज होगा फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अप्रैल–मई में होने वाले 5 विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने बैठकों का सिलसिला शुरू कर दिया है। शनिवार शाम राहुल गांधी और खरगे तमिलनाडु कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ अहम बैठक करेंगे। उम्मीद है कि तमिलनाडु को लेकर कांग्रेस की भावी रणनीति को लेकर जारी सस्पेंस खत्म हो सकता है। तमिलनाडु में करीब दो दशक से कांग्रेस का डीएमके के साथ गठबंधन है, लेकिन अब प्रदेश कांग्रेस में कुछ नेता अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन करने की पैरवी कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के बदायूं में बवाल

लोगों की अर्जी पर रोकी प्रभात फेरी, लाठीचार्ज में कई घायल

एजेंसी ▶▶ बदायूं

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ब्योर कासिमाबाद में शुक्रवार की भोर माघ माह में निकाली जा रही प्रभात फेरी को पुलिस ने विवादित रास्ता बताते हुए रोक दिया। जबकि यह प्रभात फेरी पिछले 50 वर्षों से इसी रास्ते से निकलते आ रही है। बात इतनी बढ़ गई कि हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आरोप है कि लाठीचार्ज में कई ग्रामीण घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। कल दूसरे समुदाय के लोगों ने प्रभात फेरी को रोकने का प्रयास किया था।

जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका

महाभियोग मामले में संसदीय कमेटी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 'अर्जी' खारिज

समिति की वैधता को लेकर दी थी चुनौती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने अधजली नकदी मामले में महाभियोग प्रस्ताव पर उनके खिलाफ आरोपों की जांच कर रहे संसदीय पैनल के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने लोकसभा स्पीकर द्वारा समिति की वैधता को चुनौती दी थी।

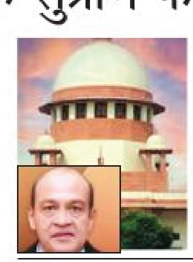

रखा था फैसला सुरक्षित

जस्टिस वर्मा ने समिति के गठन पर यह कहते हुए सवाल उठाया था कि उन्हें हटाने का प्रस्ताव राज्यसभा के उपसभापति ने खारिज कर दिया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एससी शर्मा की बेंच ने 8 जनवरी को फैसला सुरक्षित रखा था।

जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत जांच समिति

16 दिसंबर को स्पीकर के उस कदम को चुनौती दी गई थी जिसमें उन्होंने जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने जस्टिस वर्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा था कि यह गलत है।

श्रीगंगा सभा ने रील्स बनाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी

हर की पैड़ी पर गैर हिंदुओं का प्रवेश निषेध, रील्स भी नहीं बना सकेंगे लोग

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

हर की पैड़ी पर जगह-जगह बोर्ड लगा दिए गए हैं, जिसमें स्पष्ट लिख दिया गया कि अहिंदू का प्रवेश पूरी तरह निषेध है। इसके अलावा तीर्थस्थल की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए हरकी पैड़ी और मालवीय द्वीप क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। किसी भी प्रकार के फिल्मी गानों पर फिल्म और रील बनाना भी पूर्णतः वर्जित है। श्रीगंगा सभा ने इस प्रकार से रील्स आदि सोशल मीडिया पर वायरल करने पर कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी है। कुछ दिन पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र में बनाया गया एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हंगामा हो गया था। वीडियो में दो युवक अरबी वेशभूषा में घाटों पर घूमते नजर आ रहे थे। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों ने नाराजगी जताई है। मामले का पुलिस ने संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की।

जगह जगह लगा दिए गए बोर्ड

पुलिस ने संज्ञान लेकर जांच शुरू की

तीर्थ पुरोहितों ने जताई थी नाराजगी

वीडियो पर उठे थे सवाल

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दो युवक स्वयं को दुबई का निवासी बताते हुए हरकी पैड़ी क्षेत्र में घूमते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद तीर्थ पुरोहितों ने इसे हरिद्वार की धार्मिक मर्यादा से जुड़ा बताते हुए आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस तरह के वीडियो से धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और इससे माहौल खराब हो सकता है।

व्यवस्था और मर्यादा को लेकर मंथन चल रहा

उल्लेखनीय है कि इन दिनों श्रीगंगा सभा की ओर से हरिद्वार के घाटों और प्रमुख धार्मिक स्थलों की व्यवस्था और मर्यादा को लेकर मंथन चल रहा है। श्रीगंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने बताया कि वीडियो की जानकारी पुलिस प्रशासन को दे दी गई है। माहौल बिगाड़ने के लिए इस तरह का काम किया जा रहा है। वहीं, सचिव उज्जवल पंडित ने कहा कि पूरे प्रकरण की सूचना चौकी पुलिस को दे दी गई है। शहर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। युवकों की पहचान की जा रही है।

किसान नेता टिकैट का आरोप

किसानों को बांटने में लगी सरकार, ईडी बन गई दारोगा

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

माघ मेला में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के चल रहे राष्ट्रीय चिंतन शिविर में शुक्रवार को तमाम मुद्दे उठाए। संगठन राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैट समेत अन्य पदाधिकारियों ने मंथन किया। टिकैत ने केंद्र को घेरते हुए कहा कि किसानों के खेत में नुकसान नहीं है, बल्कि दिल्ली की कलम बेईमान है। जमीन महंगी है और फसल सस्ती। फसल का सही दाम नहीं मिलने से किसान जमीन बेचकर गुजारा करने को मजबूर हैं। एमएसपी के नाम पर सरकार सिर्फ सपोर्ट प्राइस दे रही है, बेनिफिट प्राइस नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को भी तोड़कर अलग-अलग बांट रही है। यही वजह है कि देश में पांच हजार से अधिक किसान संगठन खड़े हो गए हैं। यह भी एक साजिश है। यहां तो सिर्फ व्यापारियों की सरकार है, जिसे किसी का लिहाज नहीं है। किसान देश की राजधानी में धरना देते रहे, लेकिन सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। टिकैत ने यह भी आरोप लगाया कि ईडी तो सरकार के लिए दारोगा बन गई है।

रोचक / शिखर चंद जैन

पट-पट उछलने-कूदने वाला पॉपकॉर्न!

बच्चो, पॉपकॉर्न यानी भुने हुए मकई के दाने। मकई के दाने भूनते समय तुमने देखा होगा, कैसे पट.. पट.. करके उछलते-कूदते हैं। इन्हें देखकर बहुत मजा आता है। ये भूनते समय इस तरह क्यों उछलते-कूदते हैं? इन्हें इस तरह कब से खाए जाने की शुरुआत हुई, इसका क्या है इतिहास, इसका नाम पॉपकॉर्न कैसे पड़ा? पॉपकॉर्न से जुड़ी रोचक जानकारियां।

बच्चो, पॉपकॉर्न एक ऐसा स्नैक्स है, जो टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होता है। हल्की-फुल्की भूख के लिए पॉपकॉर्न एक बेहतरीन ऑप्शन है। तुम्हारा यह पसंदीदा पॉपकॉर्न दुनिया भर में पॉपुलर है। क्या तुम्हें पता है, पॉपकॉर्न की पसंद और इसके हेल्थ बेनिफिट्स को सेलिब्रेट करने के लिए 'पॉपकॉर्न-डे' भी मनाया जाता है। बच्चो, हर साल 19 जनवरी को अमेरिका में 'नेशनल पॉपकॉर्न-डे' मनाया जाता है।

नया नहीं है पॉपकॉर्न: कॉर्न (मकई) के एक विशेष प्रकार, जिसका वैज्ञानिक नाम 'जिया मेज एवर्टा' है, से पॉपकॉर्न बनाया जाता है। यह मकई

इस मायने में अलग है कि इसका पेरिकार्प यानी छिलका मोटा होता है। पॉपकॉर्न बनाने की शुरुआत 5000 साल से भी पहले हो चुकी थी। पेरू में 6700 साल पहले भी पॉपकॉर्न खाए जाते थे, इस बात के भी प्रमाण मिले हैं।

कब हुआ पॉपुलर: 1885 में चार्ल्स क्रेटर्स द्वारा मोबाइल पॉपिंग कार्ट के आविष्कार के बाद से पॉपकॉर्न पॉपुलर हुआ। इसके बाद से पॉपकॉर्न आसानी से तैयार किए और खरीदे-बेचे जाने लगे। धीरे-धीरे यह बच्चों और बड़े सभी का फेवरेट स्नैक्स बनता गया। खाने के साथ-साथ पेड़-पौधों की सजावट में भी इसका इस्तेमाल किया जाने लगा। आज भी कई जगहों पर क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए पॉपकॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है।

उछलता है इसलिए नाम पड़ा 'पॉप' कॉर्न: पॉपकॉर्न के दानों में 14 प्रतिशत तक नमी होती है। जब इन दानों को गर्म किया जाता है, तो पानी भाप बन जाता है। यह भाप जब दाने से बाहर आने का प्रयास करती है तो दाना पट-पट की आवाज के साथ उछलता है और फूट जाता है। जिससे ये पॉपकॉर्न बन जाते हैं। फूटते समय पॉपकॉर्न 3 फीट (लगभग 1 मीटर) तक उछल सकता है। इसके उछलने की प्रवृत्ति के कारण ही इसे 'पॉप' कॉर्न कहते हैं।

तरह-तरह के पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न कई तरह के होते हैं। 'जिया मेज' की लगभग 25 विभिन्न किस्में हैं। इनमें से दो प्रमुख प्रकार हैं-राइस पॉपकॉर्न और पर्ल पॉपकॉर्न। मक्के की यह प्रजाति आमतौर पर छोटी होती है। इसके दाने का आवरण और बाहरी भ्रूणपोष बेहद सख्त होता है।

दो तरह के मुख्य शेप: पॉपकॉर्न मुख्य रूप से दो अलग-अलग शेप में फूटते हैं।

स्नोफ्लेक: यह आकार में बड़ा और ऊबड़-खाबड़ होता है। मूवी थिएटर में तुम यही पॉपकॉर्न खाते हो। यह दिखने में ज्यादा लगता है।

मशरूम: यह गोल और ठोस होता है। इसका इस्तेमाल तब किया जाता है, जब पॉपकॉर्न पर चॉकलेट या कैरेमल की परत चढ़ानी हो, क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है।

हेल्दी ब्रेकफास्ट है पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न खाने में मजा तो आता ही है, यह हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है। 19वीं सदी में इसे दूध और चीनी के साथ नाश्ते के रूप में खाया जाता था। आज भी इसे तरह-तरह से खाया जाता है। इसमें भरपूर फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। साथ ही पॉपकॉर्न, मैंगनीज, फॉस्फोरस और जिंक का अच्छा स्रोत है। इसमें कैलोरी बेहद कम होती है और हार्मफुल ग्लूटेन नहीं पाए जाते। आजकल मल्टीप्लेक्स मूवी थिएटर्स में बड़े-बड़े स्टाइलिश डब्बों में तरह-तरह के मसालों से युक्त पॉपकॉर्न खूब बिकते हैं। *

दुनिया का सबसे बड़ा पॉपकॉर्न बॉल

बच्चो, क्या तुम इमेजिन कर सकते हो कि एक पॉपकॉर्न बॉल कितना बड़ा हो सकता है? अमेरिका के आयोवा राज्य के सैक सिटी में साल 2016 में 9,370 पाउंड (लगभग 4250 किलोग्राम) वजन का पॉपकॉर्न बॉल बनाया गया। यह पॉपकॉर्न बॉल 24 फीट चौड़ी और 8 फीट से ज्यादा ऊंची है। इस पॉपकॉर्न बॉल का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल है।

माइक्रोवेव की खोज में मददगार बना पॉपकॉर्न

बच्चो, एक इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि तुम्हारे घर में रखे माइक्रोवेव ओवन का आविष्कार पॉपकॉर्न की वजह से ही हुआ था। साल 1945 में पर्सी स्पेंसर नाम के वैज्ञानिक एक मशीन पर काम कर रहे थे। उन्होंने देखा कि हीट की वजह से उनकी जेब में रखे पॉपकॉर्न के दाने अचानक फूटने लगे। इसी से उन्हें माइक्रोवेव बनाने का आइडिया आया।

पेंगुइन अपनी अनोखी शारीरिक संरचना के लिए जाना जाता है। इनकी ज्यादातर प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं। पेंगुइन पर मंडराते खतरे के कारण इनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 20 जनवरी को 'पेंगुइन अवेयरनेस-डे' मनाया जाता है। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

अजब-अनूठा पक्षी पेंगुइन

पक्षी जगत

मच्छिंद्र ऐनापुरे

पेंगुइन पक्षी का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में एक प्यारे-से, काले-सफेद रंग का पक्षी आ जाता है, जो बर्फ पर मजेदार ढंग से मटकते हुए चलता है। बच्चो, दुनिया में पेंगुइन की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

एंपरर पेंगुइन: यह पेंगुइन की दुनिया का राजा माना जाता है। एंपरर पेंगुइन सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 3 फीट 7 इंच होती है। वजन 35 से 40 किलो तक होता है। ये अत्यंत ठंडे इलाके अंटार्कटिका में रहते हैं। एंपरर पेंगुइन शानदार तैराक होते हैं, ये गहरे समुद्र में गोते लगाकर तैरते हैं।

यलो-आइड पेंगुइन: यह पेंगुइन न्यूजीलैंड में पाया जाता है। इसकी पीली-पीली आंखें और सिर पर पीली धारियां होती हैं। इसकी शारीरिक विशेषताओं के आधार पर ही इसका नामकरण हुआ है।

किंग पेंगुइन: एंपरर पेंगुइन से आकार में थोड़े छोटे और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं-किंग पेंगुइन। इनके सिर के पास पानी की बूंद जैसा पीला निशान होता है। इनमें भी वे सभी विशेषताएं पाई जाती हैं, जो एंपरर पेंगुइन में होती हैं। ये भी अंटार्कटिका में पाए जाते हैं।

रॉकहॉपर पेंगुइन: इनकी आंखों के ऊपर सुंदर-सी भौंहें होती हैं। ये चट्टानों पर उछल-कूद करते हुए चलते हैं। रॉकहॉपर पेंगुइन की दो प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं। पहली, नॉर्दन रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें बड़ी और उभरी हुई होती हैं। दूसरी, सदर्न रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें थोड़ी छोटी होती हैं।

मैकरॉनी पेंगुइन: इस पेंगुइन का नाम (खाने वाली डिश मैकरॉनी) बड़ा मजेदार है न! इसका चेहरा काला, चोंच नारंगी और माथे पर पीले रंग की सुंदर कलगी होती है। यही इसकी पहचान है।

लिटिल पेंगुइन: नाम जैसा, आकार वैसा! ये दुनिया के सबसे छोटे आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई सिर्फ 12 से 13 इंच तक और वजन करीब 1.2 से 1.3 किलोग्राम तक होता है।

गैलापैगोस पेंगुइन: यह दुनिया की इकलौती पेंगुइन प्रजाति है, जो भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास रहती है। यह गैलापैगोस द्वीप समूह में पाई जाती है।

अफ्रीकन पेंगुइन: ये पेंगुइन अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया देशों में पाए जाते हैं। इन पेंगुइन की आंखों के चारों ओर फर नहीं होते और छाती पर काली पट्टी होती है। *

भारत में भी देखी जा सकती है पेंगुइन

बच्चो, तुम सोच सकते हो कि कि पेंगुइन सर्द प्रदेशों/स्थलों में पाया जाने वाला पक्षी है, इसे भारत जैसे गर्म देश में नहीं देखा जा सकता, लेकिन ऐसा नहीं है। तुम अपने देश में भी पेंगुइन को देख सकते हो। मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले प्राणी संग्रहालय (रानी का बाग) में 18 पेंगुइन देखे जा सकते हैं। ये हंबोल्ट प्रजाति के पेंगुइन हैं, जो मूल रूप से पेरू और चिली से लाए गए हैं। साल 2016 में यहां सिर्फ 8 पेंगुइन थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 18 हो गई है।

कविता / फहीम अहमद

मखमली धूप

ठिठुर रहे तन को लगती है
मखमल-सी जाड़े की धूप।
धीरे से मन को छू जाती
कोमल-सी जाड़े की धूप।
मीठे गीत सुनाती हमको,
कोयल-सी जाड़े की धूप।

सबके दिल में घर कर जाती
चंचल-सी जाड़े की धूप।
ठिठुरन वाले सन्नाटे में
हलचल-सी जाड़े की धूप।
जब छत पर लेटें तो ओढ़ें
कंबल-सी जाड़े की धूप।
नानी की गोदी, अम्मा के
आंचल-सी जाड़े की धूप।

बूझो तो जानें

1
भूरा-काला रुई-सा हल्का
मैं नभ में उड़ता जाता।
बरसातों का दूत बनूं मैं
गड़-गड़ गड़-गड़ शोर मचाता।

2
सड़क नहीं, आकाश सवारी
पंख लगे, पर नहीं हूं चिड़िया।
लोगों को सुदूर पहुंचाऊं
वायु भांति मेरी गति बढ़िया।

3
बत्ती नहीं, न कोई तेल
रातों को कर देता जगमग।
ज्यों नींद खुले सूरज की
मैं छुप जाता चलकर डगमग।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.बादल, 2.हवाई जहाज, 3.जुगनू

जीके क्विज-188

1. दृष्टिबाधित लोगों के लिए पहली ब्रेल लाइब्रेरी किस राज्य में खोली गई है?
2. भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच हाल ही में किसे नियुक्त किया गया है?
3. सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश कौन हैं?
4. इन दिनों 53वें विश्व पुस्तक मेला का आयोजन किस शहर में किया जा रहा है?
5. सापेक्षता का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) की खोज किसने की थी?
6. विश्व का सबसे घना जंगल कौन सा है?
7. लावणी किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?
8. भारत में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है?
9. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन सा है?
10. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' के लेखक कौन हैं?

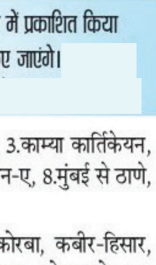

बच्चो, जीके क्विज-188 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-187 का उत्तर : 1.दीप्ति शर्मा, 2. जापान, 3.काम्या कार्तिकेयन, 4.सारनाथ, 5.सी. राजगोपालाचारी, 6.ओडिशा, 7.विटामिन-ए, 8.मुंबई से ठाणे, 9.नाइक्रोम, 10.तमिलनाडु

जीके क्विज-187 का सही उत्तर देने वाले : गौरव-कोरबा, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-रायगढ़, कोमल-रोहतक, शुभम-रायपुर, रौनक-दुर्ग, कमल-बिलासपुर, सुमन-रायगढ़, शिप्रा-महासमुंद

कहानी

हरीश कुमार अमित

मयंक और उसके दादा जी ने एक दिन शर्त लगाई, कौन कितने देर बिना बोले रह सकता है, जो पहले बोलेगा, तय शर्त के अनुसार हर्जाना भरेगा। मयंक को लगा दादा जी शर्त हार गए, जबकि दादा जी को लगा मयंक हारा। लेकिन वास्तव में शर्त कौन जीता?

लग गई शर्त

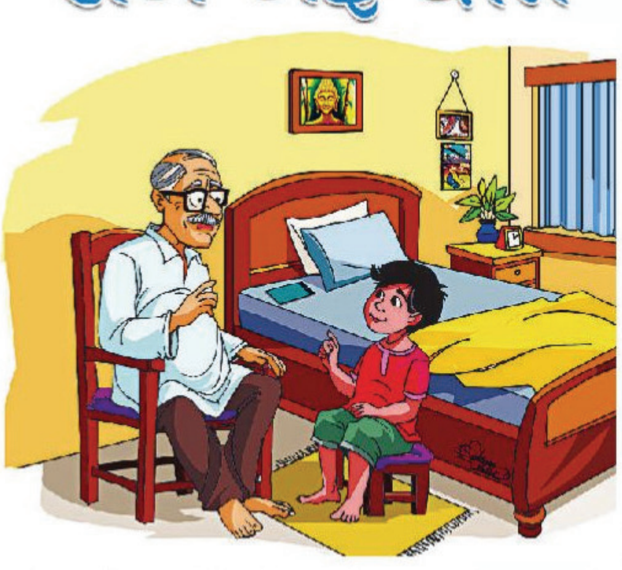

मयंक बहुत बातूनी है। लंबी-लंबी बातें करना उसे अच्छा लगता है। थोड़ी देर तक भी बिना बोले रहना उसके लिए मुश्किल है। आज मयंक के स्कूल की छुट्टी थी। वह दादा जी के कमरे में उनके पास बैठा उनसे बातें कर रहा था। बातों-बातों में दादा जी ने मयंक से शर्त लगा ली, कौन ज्यादा देर तक बिना बोले रह सकता है। शर्त के अनुसार उन दोनों में से जो पहले बोलेगा, वह शर्त हार जाएगा। दादा जी ने यह भी कहा कि अगर खुद वे शर्त हार गए तो मयंक को रेस्टोरेंट ले जाकर मसाला डोसा खिलाएंगे। और अगर मयंक शर्त हार गया तो वह पिछले दिनों अपने जन्मदिन पर मिले चॉकलेट के डिब्बे से पांच चॉकलेट दादा जी को देगा।

शर्त लगने के बाद दादा जी और मयंक दोनों एक-दूसरे से इशारों-इशारों में ही बातें करने लगे। घर में उस समय और कोई मौजूद नहीं था। मयंक के मम्मी-पापा कहीं गए हुए थे, उन्हें शाम तक ही घर लौटना था। मयंक को पूरा विश्वास था, वह शर्त जीत जाएगा।

थोड़ी देर बाद दादा जी के मोबाइल फोन पर मयंक के पापा का फोन आया। पापा ने यह बताने के लिए फोन किया था कि वे लोग शाम को आठ बजे तक ही वापस आ पाएंगे। दादा जी ने पापा की बात तो सुन ली, लेकिन खुद जो कहना था, वह टेक्स्ट मैसेज में लिखकर भेज दिया। साथ ही चुप रहने की शर्त के बारे में भी लिख दिया ताकि फोन पर उनके बात न करने के कारण पापा को कुछ अटपटा न लगे। थोड़ी देर बाद मयंक का जी करने लगा कि कुछ बोला जाए, लेकिन शर्त के कारण उसने अपने आपको रोके रखा। कुछ देर बाद अचानक मयंक को दादा जी की आवाज सुनाई दी। दादा जी की आवाज सुनते ही वह जोर से बोल उठा, 'मैं जीत गया! मैं जीत गया!' 'जीत तो मैं गया हूं, बेटा। तुम पहले जो बोल पड़े हो।' दादा जी ने हंसते हुए कहा।

'जीता तो मैं हूं, दादा जी! पहले आपकी आवाज सुनाई दी है!' मयंक ने दादा जी की बात का खंडन किया।

'आवाज से क्या होता है? बोले तो पहले तुम ही हो! इसलिए मैं शर्त जीत गया हूं।' दादा जी ने हंसते हुए जवाब दिया।

'कैसे, दादा जी? पहले आप बोले, तभी तो आपकी आवाज सुनाई दी।' मयंक ने दादा जी को समझाना चाहा।

'लेकिन मैं पहले बोला ही नहीं था। मैंने तो यह वीडियो चलाया था, जिसमें मेरी आवाज है।' कहते हुए दादा जी ने अपने कुर्ते की जेब से अपना मोबाइल फोन निकाल कर वह वीडियो फिर से चला दिया। यह वही वीडियो था, जो मयंक ने उनके फोन पर कुछ दिन पहले बनाया था। इस वीडियो में दादा जी मयंक को एक कहानी सुना रहे थे।

'पर यह तो चीटिंग है, दादा जी!' मयंक ने विरोध जताया।

'इसमें चीटिंग की क्या बात है? तुम्हें मेरी असली आवाज और वीडियो से आ रही आवाज का अंतर समझना चाहिए था।' दादा जी मुस्कुराते हुए बोले।

दादा जी का यह तर्क सुनकर मयंक जवाब में कुछ न बोल सका। उसने अपनी हार मान ली और चुपचाप एक तरफ बैठ गया।

मयंक का उदास चेहरा देखकर दादा जी कुछ देर सोचते रहे और फिर हंसते हुए बोले, 'बेटा, मैं तो मजाक कर रहा था तुमसे! शर्त तो तुम ही जीत गए हो, क्योंकि मेरी आवाज पहले सुनाई दे गई थी। असल में सुबह से ही मेरा बहुत मन कर रहा था कि तुम्हारे साथ रेस्टोरेंट में जाकर गरमा-गरम मसाला डोसा खाया जाए। इसीलिए मैंने तुम्हारे साथ यह शर्त लगाई थी, और मैं जान-बूझकर शर्त हार भी गया ताकि मसाला डोसा खाने की मेरी इच्छा पूरी हो सके।' दादा जी के मुंह से यह सब सुनकर मयंक मन ही मन बहुत खुश हो गया। दादा जी आगे बोले, 'तुम्हारे मम्मी-पापा को तो कई घंटे बाद घर लौटना है। तब तक हम दोनों चलते हैं रेस्टोरेंट में मसाला डोसे का आनंद उठाने। तुम तैयार हो जाओ फटाफट।'

यह सुनकर मयंक के चेहरे की उदासी मिट गई और वह खुशी-खुशी दादा जी के साथ रेस्टोरेंट जाने के लिए तैयार होने लगा। उसे दादा जी के साथ मसाला डोसे का आनंद जो लेना था। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

रोचक-प्रेरक कहानी

बच्चो, दुनिया भर में बच्चों के लिए बहुत अच्छी-अच्छी किताबें लिखी जा रही हैं। ये किताबें तुम्हें जरूर पढ़नी चाहिए, क्योंकि ये तुम्हारा एक नए प्रकार का मनोरंजन करेंगी। इन किताबों को पढ़कर तुम जानोगे कि दुनिया कितनी मजेदार है, अद्भुत कल्पनाओं और रोमांच से भरी है। ऐसी ही एक किताब है 'स्टोरी ऑफ डॉक्टर डूलिटिल' यानी पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी। यह एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जो था तो इंसानों का डॉक्टर, लेकिन जानवरों का इलाज करने लगा। यह डॉक्टर जानवरों की बोलियां समझता ही नहीं था, उनके साथ बात भी करता था। यह सब उसे पोलेसेनिया नाम के एक तोते ने सिखाया था। जब डॉक्टर डूलिटिल पशु-पक्षियों से बात करके उनकी समस्याओं को जानकर उनका इलाज करने लगा तो उसके सभी बीमार पशु-पक्षी जल्दी-जल्दी स्वस्थ होने लगे। इस तरह वह डॉक्टर, इंसानों के इलाज के लिए ही नहीं, पशु-पक्षियों के इलाज के लिए भी बहुत मशहूर हो गया। फिर डॉक्टर डूलिटिल को अफ्रीका से एक संदेश मिला कि वहां के बंदरों में एक जानलेवा बीमारी फैली है, जिससे वे तेजी से मर रहे हैं। फिर क्या था, डॉक्टर डूलिटिल अफ्रीका के लिए निकल पड़े। इसके बाद क्या हुआ, यह जानने के लिए बच्चो, तुम्हें इस किताब को पढ़ना होगा। इस किताब के लेखक हैं ह्यु लॉफ्टिंग, जिन्होंने सन 1920 में इसे लिखा था। यह किताब इतनी लोकप्रिय हुई कि डॉक्टर डूलिटिल की एक के बाद एक रोचक कहानियों वाली 12 किताबें प्रकाशित हुईं। इन पर कई फिल्में भी बनीं। दुनिया भर की अनेक भाषाओं में इन किताबों का अनुवाद भी हुआ है। ये किताबें विश्व बाल साहित्य की धरोहर हैं। *

किताब : पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी (फैंटेसी उपन्यास), **लेखक :** ह्यु लफ्टिंग, **अनुवाद :** आलोक कुमार, **मूल्य :** 199 रुपए, **प्रकाशक :** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां अपने क्यूट से डॉगी के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सभी छह अंतर खोजकर बताओ-

गिनकर बताओ

बच्चो, यहां दो तरह की मछलियों के कई सारे चित्र दिए गए हैं। तुम गिनकर बताओ, किस मछली की संख्या कितनी है?

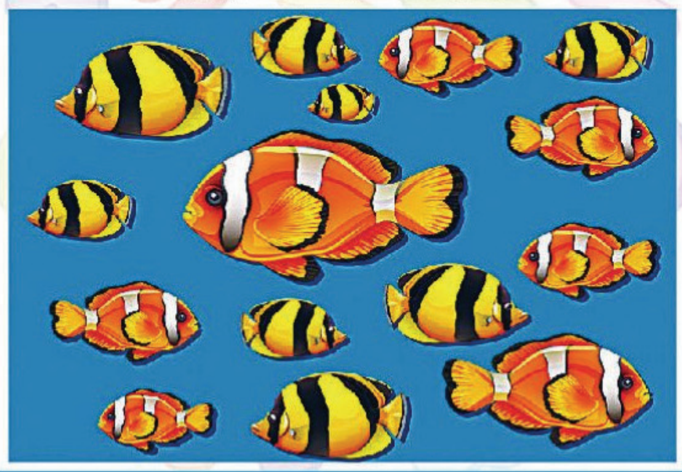

छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ बिहारपुर इकाई का हुआ पुनर्गठन

सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए प्रमोद पाठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई बिहारपुर की कार्यकारिणी का कार्यकाल दो वर्ष पूर्ण होने के पश्चात जिला अध्यक्ष सचिन त्रिपाठी के निर्देशानुसार पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नवीन कार्यकारिणी के गठन हेतु आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा निर्विरोध एवं सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर प्रमोद कुमार पाठक, उपाध्यक्ष रामशरण प्रजापति, सचिव अब्दुल खालिक अंसारी, संयोजक राजकुमार जायसवाल, कोषाध्यक्ष हरिशंकर वैश्य, प्रवक्ता रामकेश्वर, मीडिया प्रभारी सूरज लाल वैश्य एवं सह सचिव मानिकचंद को दायित्व सौंपा गया। वहीं महामंत्री सुरेश कुमार गुप्ता, संगठन मंत्री जियाराम बैस, संगठन सचिव बृजनंदन जायसवाल, महासचिव बैकुंठ प्रसाद गुप्ता, संयुक्त सचिव नोखेलाल जायसवाल, प्रचार सचिव मनराखन गुप्ता तथा सह संयोजक रामसूरत जायसवाल को नियुक्त किया गया। बैठक में जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार पाण्डेय एवं श्रीमती कल्पना बारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा ब्लॉक इकाई बिहारपुर के सदस्य धीरजानन्द गुप्ता, सूरज भान सिंह, गोविन्द प्रसाद तिवारी, रामशरण पण्डो, जीवन साय बखला, सुश्री एस. तिर्की, सविता राठिया, रीता पैकरा, अखिलेश पटेल, रामप्रसाद सिंह धुर्वे, राम सुभग यादव सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे। नवीन कार्यकारिणी के गठन से क्षेत्र के शिक्षकों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। शिक्षकों ने आशा व्यक्त की कि नई टीम शिक्षक हितों की रक्षा एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

मांदर की थाप और घुंघरुओं की झंकार से थिरका चुनगुड़ी

0 कर्मा महोत्सव में 33 दल के लोक कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां 0 मुख्यमंत्री ने जिले को दी 172.51 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात, 68 का लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर/भैयाथान। जिले के भटगांव स्थित ग्राम चुनगुड़ी में परंपरा, संस्कृति और उल्लास से परिपूर्ण भव्य कर्मा प्रतियोगिता एवं महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। मांदर की थाप और घुंघरुओं की झंकार के बीच पूरा क्षेत्र कर्मा नृत्य की लय में थिरक उठा। इस सांस्कृतिक महोत्सव में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सुबह से ही 33 कर्मा दलों की सहभागिता से हजारों लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में सामूहिक कर्मा नृत्य प्रस्तुत कर आयोजन स्थल को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। दर्शक दीर्घा में मौजूद हजारों ग्रामीणों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

लोक परंपराओं को जीवित रखने का सशक्त माध्यम- साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कर्मा महोत्सव को छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपरा का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोक पर्वों को सहेजने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने करम देवता को प्रणाम करते हुए कहा कि कर्मा पर्व प्रकृति, एकता और सामूहिक आनंद का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चुनगुड़ी खोखापारा स्थित स्कूल मैदान को मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित करने तथा नगर पंचायत भटगांव के विकास हेतु 1 करोड़ रुपये की घोषणा की।

मंत्री लक्ष्मी ने विकास कार्यों को बताया प्रगति का प्रतीक

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज जिले को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है, जिससे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी। उन्होंने सभी कर्मा दलों द्वारा दी गई पारंपरिक एवं मनमोहक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सांस्कृतिक पहचान का सशक्त उदाहरण-चिंतामणि

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि क्षेत्र की संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण्ण बनाए रखने का कार्य यहां के लोग कर रहे हैं। उन्होंने कर्मा नर्तक दलों की प्रशंसा करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का सशक्त उदाहरण बताया।

कर्मा प्रतियोगिता में सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया एवं मनेंद्रगढ़ जिलों से आए हजारों लोक कलाकारों ने 33 दलों के माध्यम से पारंपरिक कर्मा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। आयोजन ने जनजातीय संस्कृति और लोक परंपराओं को सशक्त मंच प्रदान किया।मुख्यमंत्री ने अपने सूरजपुर प्रवास के दौरान जिलेवासियों को कुल 172.51 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 55.01 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण तथा 117.97 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास भूमिपूजन शामिल है। ये कार्य लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, नगरीय निकाय, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उद्यान, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला अग्रणी बैंक सूरजपुर के अंतर्गत किए जाएंगे।

कार्यक्रम स्थल पर सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, यातायात जागरूकता, उद्यानिकी फसल, पोषण आहार, स्व-सहायता समूहों के उत्पाद, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित स्टॉल लगाए गए। मुख्यमंत्री ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

इस दौरान मछली पालन विभाग द्वारा नाव-जाल एवं आइस बॉक्स, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ महिला कोष से ऋण वितरण किया गया।

साथ ही 06 महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित रेडी टू ईट इकाइयों एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान का शुभारंभ किया गया। रेडी टू ईट इकाइयों के माध्यम से 130 महिलाएं सूरजपुर परियोजना के 343 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पोषण आहार निर्माण एवं वितरण का कार्य करेंगी। मुख्यमंत्री ने संचालक महिलाओं को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इसके अलावा स्व-सहायता समूहों की दीदियों को मुद्रा लोन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा क्लेम तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत खुशियों की चाबी प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी,वन विकास निगम के अध्यक्ष राम सेवक पैकरा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल रजवाड़े, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष बाबू लाल अग्रवाल, पूर्व पाठपुस्तक निगम के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, ठाकुर राजवाड़े, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, मुकेश गर्ग, संत सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, सरगुजा आई जी दीपक झा, कलेक्टर एस जयवर्धन, पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पीएमश्री के विद्यार्थी व शिक्षक कोलकाता साइंस सिटी के शैक्षणिक भ्रमण पर हुए रवाना

कलेक्टर ने दिखाया हरीझंडी, एसडीएम ने भेट किया पेन पैड

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सात पीएमश्री विद्यालय के एक एक छात्र एवं शिक्षकों को कलेक्टर एस. जयवर्धन ने हरी झंडी दिखाकर एवं एसडीएम शिवानी जायसवाल ने पेन पैड देकर कोलकाता साइंस सिटी के शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना किया। शैक्षणिक भ्रमण गत वर्ष कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा में विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों शिक्षकों का चयन राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश पर किया गया है। शैक्षणिक भ्रमण कोलकाता साइंस सिटी का चयन संबंधित सभी पीएमश्री विद्यालयों के प्राचार्य ने आयोजित बैठक में किया।यह विज्ञान केंद्र भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा विज्ञान केंद्र है।

इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है, जिससे उनका शैक्षणिक विजन व्यापक हो और वे पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वैज्ञानिक तर्क की कसौटी के आधार पर विज्ञान के अवधारणाओं के प्रति समझ विकसित कर सकें। इस अवसर पर भ्रमण के नोडल एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, एपीसी पीएमश्री प्रभारी दिनेश द्विवेदी, सहायक नोडल एवं प्राचार्य गोवर्धन सिंह एवं समग्र शिक्षा के कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले के मा.वि. मोहरसोप में बदहाल शिक्षा व्यवस्था, अंधकारमय 121 बच्चों का भविष्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओडगी विकासखंड अंतर्गत बिहारपुर तहसील के ग्राम पंचायत मोहरसोप स्थित शासकीय

माध्यमिक विद्यालय से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। विद्यालय में शिक्षकों की लापरवाही के कारण छात्रों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया है कि कई शिक्षक नियमित रूप से स्कूल नहीं आते। कभी शिक्षक बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं, तो कभी स्कूल आते भी हैं तो शराब के नशे में होने की बात कही जा रही है। बच्चों का कहना है कि उन्हें यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती कि शिक्षक अवकाश पर हैं या बिना बताए ड्यूटी से गायब हैं। 121 बच्चो की संख्या वाले विद्यालय में बीते 15 जनवरी को मात्र एक शिक्षक ही उपस्थित पाया गया। शेष शिक्षक पूरे दिन अनुपस्थित रहे, जिससे कक्षाओं का संचालन नहीं हो सका। बच्चों को बिना पढ़ाई के ही स्कूल से लौटना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि लंबे समय से यही स्थिति बनी हुई है।

छात्र छात्राओं का कहना है कि लगातार पढ़ाई बाधित होने से वे परीक्षा की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। वहीं अभिभावकों में बच्चों के भविष्य को लेकर गहरी चिंता है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय की इस दुर्दशा की जानकारी शिक्षा विभाग को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अभिभावकों ने जिला शिक्षा विभाग पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि निरीक्षण और निगरानी के अभाव में शिक्षक मनमानी कर रहे हैं और सरकारी स्कूलों की साख लगातार गिरती जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से मांग की है कि दोषी शिक्षकों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए, विद्यालय में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाया जाए। उक्त सम्बन्ध में पक्ष जानने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ओड़गी प्रदीप कुमार सिंह से उनके मोबाईल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया। परंतु उनसे संपर्क नहीं हो सका।

ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में सरभोका की टीम रही विजेता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गेतरा में आयोजित ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जिला कोरिया के ग्राम सरभोका की टीम ने पोड़ी की टीमों को परास्त कर ट्राफी पर कब्जा जमाया है। फाइनल मुकाबले में सरभोका की टीम ने

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवरो में 147 रन का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करने उतरी पोड़ी की टीम मात्र 57 रन पर ही सिमट गई। इस तरह 90 रन के अंतर से सरभोका ने फाइनल मुकाबला अपने नाम किया।

समापन अवसर पर आयोजक समिति द्वारा विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार नगद एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 13 हजार नगद एवं ट्रॉफी प्रदान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष स्वाति संत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि फाइनल मुकाबला वही टीम खेलती है जो पूरे टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करती है।हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना होती है, जिसमें विजेता और उपविजेता दोनों सम्मान के पात्र होते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सब एरिया मैनेजर प्रशांत शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथियों में रेशम लाल, सरपंच करमातों बाई, खान प्रबंधक जी.एस. ठाकुर, जेडी सिंह, उपसरपंच राधा देवांगन, पूर्व सरपंच रामस्वरूप सिंह, भाजपा नेता संत सिंह शामिल रहे। आयोजन समिति एसईसीएल आरजीके सहक्षेत्र व ग्राम पंचायत गेतरा के द्वारा आयोजन कराया गया। जिसमें मानसाय मरकाम, सोना सिंह, शिव ,मानिक, किशुन, प्रताप, चैन सिंह, चंद्रनाथ, अनिल, अजय, परसोत्तम, लक्ष्मण, कृषु, रवि, छतरपाल सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

अर्धनग्न हालत में मिला युवक का शव

दुर्ग, छ.ग. फ्रटंलाइन। जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में देर रात एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में हत्या या किसी अन्य आपराधिक घटना से इनकार किया है। पुलिस का कहना है कि युवक की मौत सामान्य हार्ट अटैक से हुई होने की आशंका है। हालांकि, स्थिति पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस के अनुसार, जियो पेट्रोल पंप के पीछे युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। मौके पर उसकी उम्र करीब 27 से 30 वर्ष के बीच आंकी गई। युवक की शर्ट खुली हुई थी और बेल्ट भी खुली मिली।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि- 15.01.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-मनेन्द्रगढ़ संभाग
03. स.क्र. -1 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1- 30.01.2026

सरल क्र.	एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	232	व्यवहार न्यायालय जनकपुर के तृतीय श्रेणी कर्मचारियों हेतु 02 नग ''जी'' टाईप एवं 07 नग ''एच'' टाईप शासकीय आवास गृह निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (द्वितीय आमंत्रण)	129.70

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-252606100/3

स्कूली बच्चों को न्यायधीश ने दी कानूनी जानकारी, साइबर अपराध और पॉक्सो एक्ट पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में यहां के शा. बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक वृहद कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य बिंदु और कानूनी जानकारी

कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद प्रकाश वारियाल जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय ने की। उन्होंने छात्रों को सरल भाषा में कानून की बारीकियों से अवगत कराया।

पॉक्सो एक्ट न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाना न केवल अपहरण है, बल्कि पॉक्सो एक्ट के तहत गंभीर अपराध भी है। उन्होंने जोर दिया कि कानून की जानकारी न होना बचाव का आधार नहीं हो सकता।विवाह की कानूनी उम्र लड़की 18, लड़का-21 पर चर्चा करते हुए उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे पहले अपने करियर पर ध्यान दें, क्योंकि विवाह के बाद जिम्मेदारियों के बीच करियर बनाना चुनौतीपूर्ण होता है।

साइबर सुरक्षा और IT एक्ट सोशल मीडिया पर बिना अनुमति फोटो वीडियो शेयर करने या उनसे छेड़छाड़ करने को गंभीर अपराध बताया। साथ

ही, किराए पर बैंक खाते देकर ठगी करने वाले गिरोहों से सतर्क रहने की चेतावनी दी। रैगिंग को दंडनीय अपराध बताते हुए उन्होंने छात्रों को नशा तस्करों के गिरोह से बचने की सलाह दी, जो अक्सर नाबालिगों का उपयोग आपराधिक कार्यों के लिए करते हैं। छात्रों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध है। किसी भी कानूनी सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है। न्यायाधीश के विचार और उनके द्वारा बताए जानकारियों से बच्चे इतने प्रभावित हुए कि कई विषयों को जानने की जिज्ञासा जाहिर करते हुए कई सवाल पूछे और न्यायाधीश ने उनके सवालों के जवाब भी दिए।

कार्यक्रम में मोटर व्हीकल एक्ट और यातायात नियमों के पालन पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, और पैरालीगल वॉलंटियर्स सत्य नारायण व उमेश उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

यातायात में सबसे बड़ा जीवन दाता है सावधानी- एसपी आर.के. कुर्रे

यातायात, साइबर, नशा मुक्ति, पाक्सो, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, शिक्षा एवं अनुशासन जैसे विषयों पर विद्यार्थी हुए जागरूक

मार्गदर्शन संस्थान शिक्षा महाविद्यालय एवं डीएवी पब्लिक स्कूल पांडवपारा में आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। जिले में संचालित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जागरूकता अभियान के तहत यातायात, साइबर, नशा मुक्ति, पाक्सो, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, शिक्षा एवं अनुशासन जैसे विषयों पर मार्गदर्शन संस्थान शिक्षा महाविद्यालय एवं डीएवी पब्लिक स्कूल पांडवपारा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे ने गुरुवार को मार्गदर्शन संस्थान शिक्षा महाविद्यालय एवं शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल पांडवपारा पहुंचकर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव पर स्थित है जहां से आप अपने जीवन का मार्ग चुन सकते हैं ऐसे में अत्यंत ही सजग और सचेत रहने की आवश्यकता है, अपना लक्ष्य निर्धारण करें समय प्रबंधन पर ध्यान दें और अनुशासन में रहते हुए कठिन परिश्रम के बल पर अपने मंजिल को प्राप्त करें। समय अत्यंत मूल्यवान है इसे व्यर्थ न जाने दें बीता हुआ समय वापस नहीं आता है केवल पछतावा शेष रहता है।

पुलिस अधीक्षक ने नशा मुक्ति पर व्यापक रूप से जोर देते हुए कहा कि नशा नाश का जड़ है इसे किसी भी रूप में नहीं अपनाना चाहिए और यदि घर में भी कोई इसके शिकार हैं तो उन्हें भी नशा छोड़कर सही मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित करें। साथ ही यदि आपकी जानकारी में जिले में कहीं भी अवैध नशीले पदार्थों का विक्रय होता है तो पुलिस को सूचित करें आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

साइबर जागरूकता से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताए कि वर्तमान समय में व्यापक पैमाने पर लोग साइबर अपराध के शिकार हो रहे हैं जिससे बचने के लिए हर समय जागरूक रहना चाहिए, सोशल मीडिया का उपयोग सीमित करें जिसे न जाने उनसे वार्तालाप ना करें ना ही उनका फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करें, अपना ओटीपी एवं पासवर्ड किसी से साझा ना करें, अननोन लिंक, फर्जी मेल, प्रलोभन देने वाले विज्ञापन, लॉटरी, कूपन के फेर में ना पड़ें।

सड़क सुरक्षा जागरूकता से संबंधित बातों को गंभीरता से अमल करें खुद सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान करें। सड़क दुर्घटना अत्यंत ही कष्टदायक है जिस पर रोक लगाने हेतु सुरक्षा नियमों का पालन करें, नाबालिक होने की स्थिति में वाहन चालन ना करें। एसपी श्री कुर्रे ने जल संरक्षण, स्वच्छता, पाक्सो, प्लास्टिक का उपयोग और सही नस्टीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मविश्वास, परिवार के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण, अनुशासन एवं खेल के महत्व के बारे में अत्यंत ही सरल एवं सहज शब्दों में छात्रों को विस्तार से बताए।

यातायात प्रभारी बीरबल राजवाड़े द्वारा राहगीर योजना एवं गुड सेमेरिटन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। हवलदार महेश मिश्रा द्वारा यातायात नियमों, एवं चिन्हों की जानकारी प्रदान करने के साथ ही नाबालिग छात्र-छात्राओं को वाहन न चलाने की समझाइश दी गई साथ ही 18 वर्ष से ऊपर की आयु होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बाद वाहन चलाने के लिए कहा गया। यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, छात्र-छात्राओं व विद्यालयीन स्टाफ के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया, छात्रों को भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन ना करने के लिए संकल्पित किया गया।यातायात के अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग, गुड समेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने के सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई।

उक्त संपूर्ण जागरूकता अभियान के दौरान मार्गदर्शन संस्था के संस्थापक निगमेंद्र प्रताप सिंह, प्राचार्य श्रीमती अर्पणा सिंह, डीएवी पब्लिक स्कूल पांडवपारा के प्राचार्य पोषण लाल वर्मा, यातायात प्रभारी उप निरीक्षक बीरबल राजवाड़े, हवलदार महेश मिश्रा के साथ विद्यालयीन स्टाफ एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनसहभागिता और समन्वय से ही आयोजन की सफलता-संजय सिंह

चरचा कॉलरी में खान सुरक्षा पखवाड़ा एवं समापन समारोह आज...

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र अंतर्गत चरचा कालरी प्रबंधन द्वारा आज 18 जनवरी को वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें इसईसीएल के तरह क्षेत्रों की टीमें शामिल होंगी। तथा 3 फरवरी से 50वाँ ऑल इंडिया सेशन मेमोरियल गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट होगा। एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक बी.एन. झा के मार्गदर्शन में प्रबंधन द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

उक्त आयोजन को बेहतर, सुरक्षित और ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर व्यापक संवाद की पहल की गई। इसी क्रम में प्रबंधन ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों से सुझाव व सहयोग लिया।

चरचा कॉलरी सह क्षेत्र प्रबंधक कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित पत्रकार संवाद बैठक में दोनों आयोजनों की रूपरेखा, सुरक्षा मानक, जनसहभागिता, मीडिया समन्वय और व्यवस्थागत मजबूती पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि सिर्फ आयोजन का सफल होना ही नहीं, बल्कि उसे सफल बनाने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और समन्वय सबसे महत्वपूर्ण है। बैठक में प्राप्त सुझावों को अमल में लाने का भरोसा भी दिया गया। सहक्षेत्र प्रबंधक संजय कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी आयोजन की सफलता प्रबंधन के प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के सकारात्मक सहयोग से संभव होती है। हम चाहते हैं कि आप सभी कार्यक्रम की अच्छाइयों को सामने लाएं, ताकि उनका व्यापक प्रचार हो सके और साथ यदि कहीं कोई कमी या सुधार की गुंजाइश नजर आए तो उसे भी बेझिझक बताएं। आपकी यह निष्पक्ष और रचनात्मक भूमिका हमें उन कमियों को दूर कर कार्यक्रम को और अधिक सुरक्षित सुव्यवस्थित व प्रभावी बनाने में मदद करेगी। बैठक में कॉलरी प्रबंधन की ओर से संजय कुमार सिंह क्षेत्र प्रबंधक, चरचा माइन आर ओ, हीरा सिंह उप कार्मिक प्रबंधक, रियाज अहमद उपस्थित रहे। वहीं मीडिया की ओर से वरिष्ठ पत्रकार व प्रेस क्लब कोरिया के अध्यक्ष कमलेश शर्मा, नीरज गुप्ता, मनोज सिंह, कमालुद्दीन अंसारी, प्रभात दास और राजू शर्मा की उपस्थिति रही।

बैकुंठपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक बी.एन. झा की पहल पर यह पहली बार हुआ कि प्रबंधन ने स्थानीय स्तर पर भी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने की ठोस कवायद की। यह पहल न केवल पारदर्शिता और समावेशिता का उदाहरण है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि सभी के साथ और सहयोग से हर कार्य निश्चित रूप से सफल होता है पत्रकारों ने प्रबंधन की इस दूरदर्शी सोच और खुले संवाद की खुले दिल से सराहना की और आश्वस्त किया कि जनहित, सुरक्षा और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाले इन आयोजनों में मीडिया हर संभव सकारात्मक सहयोग प्रदान करेगा। सहक्षेत्र चर्चा कालरी प्रबंधन की यह पहल स्थानीय सहभागिता, सुरक्षा प्राथमिकता और खेल भावना को सशक्त करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी, जिससे दोनों आयोजन न केवल सफल, बल्कि यादगार बनेंगे।

आपसी विवाद में टाटा सुमो से कुचल नाबालिग की हत्या...

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। जन्मदिन समारोह के दौरान शराब के नशे में हुए विवाद के बाद पैदल घर जा रहे नाबालिग की वाहन से कुचलकर हत्या किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 04 जनवरी 2026 की है। मृतक रितेश कुमार सिंह (नाबालिग) अपने मित्रों — विद्याचंद साहू, प्रीतपाल विश्वकर्मा, सतीश विश्वकर्मा एवं अन्य के साथ आरोपी के टाटा सूमो गोल्ड वाहन से झुमका डेम पिकनिक मनाने गया था। पिकनिक के दौरान सभी ने मांसाहार किया तथा शराब का सेवन किया। शाम को लौटते समय आरोपी वाहन लेकर पटना अंग्रेजी शराब दुकान पहुंचा। इसी दौरान आरोपी के मोबाइल पर उसके पिता का फोन आया, जिसे मृतक रितेश ने रिसीव कर यह जानकारी दी कि वे पटना पहुंच चुके हैं। इस बात से आक्रोशित होकर आरोपी विद्याचंद साहू ने मृतक के साथ गाली-गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया। विवाद से आहत होकर मृतक रितेश सिंह राष्ट्रीय राजमार्ग से पैदल अपने घर की ओर जाने लगा। जब वह रनई क्षेत्र के पास पहुंचा, तब आरोपी ने उसे सड़क पर पैदल जाते देख लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, साथ मौजूद दोस्तों द्वारा रोकने के बावजूद आरोपी ने जान से मारने की नीयत से टाटा सूमो गोल्ड वाहन को सड़क के बाईं ओर दबाते हुए मृतक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

घटना के तुरंत बाद मृतक को उसके मित्रों द्वारा पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचक की रिपोर्ट पर थाना पटना में मर्ग क्रमांक 02/26, धारा 194 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर पंचनामा कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे के निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक श्री राजेश साहू द्वारा प्रकरण की गहन जांच कराई गई। प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान, घटनास्थल निरीक्षण एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर प्रथम दृष्टया अपराध सिद्ध पाए जाने पर थाना पटना में दिनांक 12 जनवरी 2026 को अपराध क्रमांक 15/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

विवेचना के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी विद्याचंद साहू उर्फ विनय साहू, पिता हरिओम साहू, उम्र 18 वर्ष 7 माह, निवासी तेजपुर स्कूल पारा, थाना रामानुजनगर, जिला सूरजपुर को दिनांक 17 जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

माइल स्टोन से टकराई बाइक, एक मौत

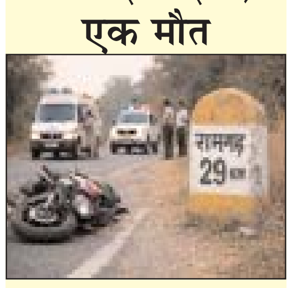

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। कोरिया जिले में शनिवार की दोपहर को एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व जाने वाले मार्ग में सोनहत से करीब 9 किलोमीटर आगे तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे माइल स्टोन से जा टकराई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक मनेन्द्रगढ़ से सोनहत के वॉचिंग टावर होते हुए बालमगढ़ी घूमने गए थे। वहां से लौटते समय वॉचिंग टावर के आगे उनकी बाइक अचानक असंतुलित हो गई और माइल स्टोन से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

वहीं गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक को तत्काल सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

तातापानी महोत्सव में कोरिया के युवा गायक आयुष नामदेव ने दी शानदार प्रस्तुति...

सियाधेश म्यूजिक बैंड, रायपुर के साथ मंच साझा करते हुए आयुष नामदेव ने समां बांधा...

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को देश-दुनिया तक पहुंचाने वाला तातापानी महोत्सव 2026 अपने तीन दिवसीय भव्य आयोजन के साथ सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रतिष्ठित महोत्सव का शुभारंभ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से हुआ, जिसने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

महोत्सव के तीनों दिनों में लोक संस्कृति, संगीत और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस दौरान बॉलीवुड, भोजपुरी और छत्तीसगढ़ी संगीत जगत के कई नामचीन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक आदित्य नारायण, भोजपुरी सुपरस्टार रितेश पांडे और पद्मश्री से सम्मानित छत्तीसगढ़ी कलाकार अनुज शर्मा जैसे दिग्गजों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

आयुष नामदेव बने आकर्षण का केंद्र...

इसी कड़ी में कोरिया जिले के गौरव, युवा गायक आयुष नामदेव ने अपनी सशक्त और ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति से महोत्सव को नई ऊंचाई दी। अंतिम दिवस पर सियाधेश म्यूजिक बैंड, रायपुर के साथ मंच साझा करते हुए आयुष नामदेव ने ऐसा समां बांधा कि हजारों की संख्या में मौजूद दर्शक देर रात तक झूमते रहे।

आयुष नामदेव की गायकी, मंच पर प्रभावशाली उपस्थिति और दर्शकों से सीधे जुड़ने की कला ने उन्हें युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग का चहेता बना दिया है। आज वे केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी पहचान बना रहे हैं। कोरिया और सरगुजा अंचल का नाम रोशन कर रहे आयुष नामदेव अब प्रदेश के लगभग हर बड़े सांस्कृतिक आयोजन की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

दर्शकों ने की जमकर सराहना

कार्यक्रम में उपस्थित हजारों दर्शकों ने आयुष नामदेव सहित सभी कलाकारों की प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को लगातार आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई।

सांस्कृतिक विरासत को मिली नई पहचान...

जिला प्रशासन बलरामपुर द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय महोत्सव न केवल पूर्णतः सफल रहा, बल्कि दर्शकों के लिए लंबे समय तक यादगार भी बन गया। तातापानी महोत्सव 2026 ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और युवा प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

रेड क्रॉस चुनाव को लेकर दायर याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज, अंतरिम आदेश रद्द, राज्य प्रबंध समिति को मिली कानूनी राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, छत्तीसगढ़ राज्य के चुनाव को लेकर दायर याचिका पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने निर्णायक फैसला सुनाते हुए चुनाव रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दिया है। इस फैसले के साथ ही रेड क्रॉस के चेयरमैन सहित अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों को बड़ी कानूनी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ रेडक्रास राज्य प्रबंध समिति के सदस्य कमलेश शर्मा ने हाईकोर्ट के इस निर्णय हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस निर्णय से राज्य प्रबंध समिति को पूर्ण अधिकार के साथ मानव कल्याण एवं समाज सेवा का कार्य करने का अवसर मिलेगा। विदित हो कि अंबिकापुर के रेडक्रास

सदस्य करताराम गुप्ता ने सरगुजा में जिला प्रबंध समिति का चुनाव ना होने और कलेक्टर द्वारा उन्हें सदस्य मनोनयन के बाद राज्य प्रबंध समिति के चुनाव में मतदान से वंचित किए जाने पर हाईकोर्ट बिलासपुर में याचिका लगाई थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने राज्य प्रबंध समिति के चुनाव पर अंतरिम आदेश के तहत आगामी गतिविधियों पर रोक लगा दिया था। गत दिनों उच्च न्यायालय बिलासपुर ने प्रकरण की निर्णायक सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा कि चुनाव प्रक्रिया नियमों के अनुरूप संपन्न हुई है और एक बार चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद उसमें न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव से जुड़े विवादों का समाधान स्थापित कानूनी परंपरा के अनुसार चुनाव पूर्ण होने के बाद ही किया जाना चाहिए। जिसमें याचिकाकर्ता द्वारा यह तर्क दिया गया था कि सभी जिला शाखाओं के चुनाव न होने के कारण राज्य स्तरीय चुनाव अवैध हैं। लेकिन न्यायालय ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा समिति नियम, 2017 के प्रावधानों का विस्तृत परीक्षण करते हुए इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने माना कि कथित मतदान-वंचना या प्रक्रिया संबंधी आपत्तियों का चुनाव परिणाम पर कोई निर्णायक प्रभाव नहीं पड़ता।

फैसले के साथ ही न्यायालय ने पूर्व में पारित अंतरिम आदेशों को भी निरस्त कर दिया, जिनके चलते निर्वाचित पदाधिकारियों को सीमित भूमिका में कार्य करना पड़ रहा था। इस आदेश के बाद रेड क्रॉस की राज्य इकाई को पूर्ण अधिकारों के साथ कार्य करने का रास्ता साफ हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा